॥ 卐 ॥

FRIDAY ▶ टैरिफ के मुकाबले को चीनी आर्थिक दीवार 4 ▶ लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार 6 ▶ देश से 2026 तक हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा नक्सलवाद : शाह 7

दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.14 | सूर्यास्त 5.58 | अधिकतम 32° | न्यूनतम 24°

वर्ष 17, अंक 313 पृष्ठ 8
कोलकाता, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025
बैशाख, कृष्णपक्ष, पंचमी, वि.सं. 2082
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

उच्चतम न्यायालय ने बर्खास्त किए गए बेदाग शिक्षकों की सेवा अवधि बढ़ाई

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष अदालत के आदेश का किया स्वागत

एसएससी 31 मई तक नई भर्ती का विज्ञापन निकाले ■ भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी हो जानी चाहिए

नई दिल्ली/कोलकाता: उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा बेदाग पाए गए बर्खास्त शिक्षकों की सेवा अवधि बढ़ाने का गुरुवार को आदेश दिया. प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकार की इस दलील पर गौर किया कि विभिन्न स्कूलों में पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. राज्य सरकार की याचिकाओं पर यह आदेश आया है, जिसने तीन अप्रैल के आदेश के खिलाफ अदालत का रुख किया था. तीन अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति को अवैध करार देते हुए पूरी चयन प्रक्रिया को दोषपूर्ण बताया था. गुरुवार को उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार की इस दलील पर भी गौर किया कि नयी भर्ती में समय लगेगा.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय के उस आदेश का स्वागत किया.उन्होंने कहा कि अब उन्हें राहत मिली है. उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ी राहत मिली जिसके मुताबिक उन बर्खास्त किए गए शिक्षकों की सेवाएं बढ़ा दी गई हैं, जिन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच के दौरान बेदाग पाया था. बनर्जी ने शीर्ष अदालत के फैसले के तुरंत बाद राज्य सचिवालय 'नबान्न' में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, अदालत ने दिसंबर तक का समय दिया है. यह फिलहाल राहत की बात है. हम उनके वेतन को लेकर चिंतित थे क्योंकि पहले के फैसले में वेतन वितरण पर रोक लगा दी गई थी. हम वैकल्पिक रास्ता तलाश रहे थे. अदालत ने हमारी याचिका पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है ताकि उन्हें परेशानी न हो. मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से

कहा, हम शीर्ष अदालत के आदेश से खुश हैं, अदालती आदेश से राहत महासूस हुई है. उन्होंने कहा, मैं शिक्षकों से अनुरोध करूंगी कि वे चिंता न करें, समस्या का समाधान हो जाएगा. बनर्जी ने इस बारे में भी अपनी स्थिति स्पष्ट की कि पात्र और अयोग्य उम्मीदवारों के बीच अंतर कैसे किया जाएगा तथा वर्तमान स्थिति कब तक बनी रहेगी. मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि यह 2026 तक चलेगा. यह सवाल ही नहीं उठता. यह मुद्दा इसी साल सुलझ जाएगा, बशर्ते सभी हमारा समर्थन करें. हम जो भी करें, हमें उम्मीद है कि हम कोई गलती नहीं करेंगे - क्योंकि जब लोगों के मुद्दों की बात आती है तो मैं कभी गलती नहीं करती. उन्होंने कहा, फिलहाल हमें कुछ राहत मिली है. कम से कम शिक्षकों को समय पर वेतन मिलेगा. यह बड़ी राहत है. बनर्जी ने बर्खास्त शिक्षकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील की. उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पूरी तरह से उनका समर्थन करेगी.

मुख्यमंत्री ने कहा, एक राहत भविष्य की राहतों का मार्ग प्रशस्त करती है. इसलिए मैं शिक्षकों से आग्रह करती हूं कि वे अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें. चिंता न करें, हम आपके साथ हैं. आपका दर्द हमारा भी है.न्यायालय के फैसले के बाद बेरोजगार हुए शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के एक वर्ग की राज्य के कई जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प हुई थी. शीर्ष अदालत ने दलीलों पर गौर करते हुए कहा कि उसने केवल बेदाग शिक्षकों की सेवा अवधि बढ़ाई है और राज्य सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के ग्रेड 'सी' और 'डी' कर्मचारियों पर यह आदेश लागू नहीं होगा.

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम वर्तमान आवेदन में कक्षा 9-10 और 11-12 के सहायक अध्यापकों से संबंध में किए गए अनुरोध को कुछ शर्तों के तहत स्वीकार करने इच्छुक हैं. शर्तें बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि नयी भर्ती के लिए विज्ञापन 31 मई या उससे पहले प्रकाशित किया जाए और परीक्षा समेत पूरी प्रक्रिया इस वर्ष 31 दिसंबर तक पूरी की जाए.प्रधान न्यायाधीश ने कहा, इस आदेश के तहत उक्त शिक्षकों को कोई विशेष अधिकार या लाभ नहीं मिलेंगे.' अदालत ने राज्य सरकार और उसके पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग को 31 मई तक या उससे पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में अनुपालन हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया. उच्चतम न्यायालय ने नियुक्तियों को रद्द करने के 22 अप्रैल, 2024 के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को इस साल तीन अप्रैल को बरकरार रखा था.

वक्फ कानून पर 'सुप्रीम' सुनवाई

सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय

अगली तारीख तक यथास्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की. चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया. सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक 'उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ' या 'दस्तावेजों की ओर से वक्फ' संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा. मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता. इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की.

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है. सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए. इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है. इसे कानून का हिस्सा माना जाता है. अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा. उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा. सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी. उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके.

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया, अदालत ने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती. वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो. कोर्ट ने कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है, तो हमे यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो.

प्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब देगा. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी. कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ, जिसमें पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ-बाय-यूजर शामिल है, को न तो डीनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर इसे लेकर कोई फैसला लेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे. तब तक यथास्थिति बनी रहेगी.

दूसरी ओर पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर कई याचिकाओं पर विचार करना असंभव है. पीठ ने स्पष्ट किया कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जबकि वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा.

बांग्लादेश की पाकिस्तान को दो टूक-

1971 के अत्याचारों के लिए सार्वजनिक माफी मांगो

ढाका: बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद विदेश सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए. साथ ही दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 में हुए अत्याचारों को लेकर सार्वजनिक माफी की मांग की. बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बातचीत में दोनों देशों के बीच अब भी कई मुद्दे अनसुलझे हैं. खासतौर पर 1971 में पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए अत्याचारों का जिक्र करते हुए बांग्लादेश ने कहा कि इन घटनाओं के लिए पाकिस्तान को आधिकारिक रूप से माफी मांगनी चाहिए.मामले में बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने बताया कि पाकिस्तान के साथ अच्छे और स्थायी रिश्ते बनाने के लिए पुराने मामलों का हल जरूरी है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने 4.32 अरब डॉलर के अपने वित्तीय दावे के साथ-साथ अन्य मुद्दों को भी सामने रखा. इसमें 1971 के युद्ध के दौरान बांग्लादेश छोड़ने में असमर्थ 'फंसे हुए पाकिस्तानियों' की वापसी और 1970 के चक्रवात में मिली विदेशी मदद के पैसे की बात भी शामिल थी. वहीं इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी इन मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है, हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है. पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलूच इस वार्ता में शामिल थीं.

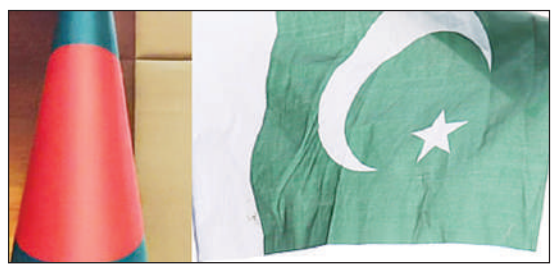

इशाक डार का बांग्लादेश दौरा

बता दें कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस महीने के अंत में बांग्लादेश दौरे पर आने वाले हैं. यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा होगी.बांग्लादेश का मानना है कि अगर पाकिस्तान इन मुद्दों पर गंभीरता से बात करे, तो दोनों देशों के रिश्ते एक नए और बेहतर रास्ते पर बढ़ सकते हैं.

क्या है मामला, समझिए

गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बना था. उस समय पाकिस्तान की सेना पर लाखों लोगों की हत्या और महिलाओं के साथ अत्याचार जैसे गंभीर आरोप लगे थे. बांग्लादेश अब भी इन मुद्दों को भूल नहीं पाया है और समय-समय पर माफी की मांग करता रहा है. हालांकि दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने की इच्छा भी जताई और व्यापार, कनेक्टिविटी व आपसी सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा की.

पाक आर्मी चीफ के बयान पर भारत का करारा जवाब

कश्मीर पर पाकिस्तान का कोई अधिकार नहीं

नई दिल्ली: आतंकवादियों को पोषित और संरक्षित करने वाली पाकिस्तान की आर्मी ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है. पाकिस्तान आर्मी के प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भारत और हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की. वहीं, मुनीर ने कश्मीर राग भी अलापा है. उन्होंने एक कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया है. पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने दावा किया है कि कश्मीर को कोई भी ताकत अलग नहीं कर सकती है.

मुनीर की इस टिप्पणी पर भारत ने करारा जवाब दिया है. पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा कश्मीर को गले की नस बताने वाली टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, कोई विदेशी चीज किसी के गले की नस में कैसे फंस सकती है? यह भारत का केंद्र शासित प्रदेश है. इसका पाकिस्तान के साथ एकमात्र संबंध उस देश द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्रों को खाली करना है. पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने कार्यक्रम में आगे कहा कि हमारे पूर्वजों ने सोचा था कि हम हर एंगल में हिंदुओं से अलग है, हमारा रिवाज, हमारा धर्म, हमारी सोच सब इनसे अलग है. हम दो राष्ट्र हैं, एक नहीं. हमने इस देश के लिए बहुत बलिदान दिए है, हमें पता है कि इस देश को बनाने में कितने संघर्षों का सामना करना पड़ा है.मुनीर ने भारत का नाम न लेते हुए कहा,क्या पाकिस्तान के दुश्मन ये सोचते हैं कि सिर्फ 1500 आतंकवादी देश की किस्मत बदल देंगे, हम जल्द ही आतंकवादियों की कमर तोड़ देंगे. 1.3 मिलियन की मजबूत भारतीय सेना, अपनी सारी ताकत के साथ,अगर वे हमें डरा नहीं सकते, तो क्या आपको लगता है कि ये आतंकवादी पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं को दबा सकते हैं?

ममता का इंडी गठबंधन को संदेश

वक्फ कानून के विरोध में एकजुट रहो, साथ लड़ो

कोलकाता/नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है. अदालत ने केंद्र से पूछा कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक न्यासों का हिस्सा बनने की अनुमति दी जाएगी. कई राज्यों ने अधिनियम का समर्थन किया है, जबकि कुछ राजनीतिक दलों और संगठनों ने इसका विरोध किया है. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने बीजेपी पर वक्फ अधिनियम से राजनीति फायदा उठाने का आरोप लगाया है.पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला बोलता हुए उसे'मुस्लिम विरोधी' बताया है. उन्होंने कहा कि बीजेपीने वक्फ कानून पारित करने के लिए 'चाल' चली. सीएम ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर वक्फ विरोध पर दिए गए बयानों को लेकर पलटवार किया है. उन्होंने योगी को प्रयागराज में हुए महाकुंभ भगदड़ की याद दिलाई, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी. ममता बनर्जी ने इंडी गठबंधन से अपील की है कि वे सब मिलकर वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ लड़ें.

मानसरोवर यात्रा जल्द होगी बहाल

चीन के साथ विमान सेवा पर बनी सैद्धांतिक सहमति

नई दिल्ली: भारत ने गुरुवार को कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के जल्द ही दोबारा बहाल होने की उम्मीद है और इसकी तैयारियां की जा रही हैं. भारत और चीन पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के दो शेष टकराव बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी करने के बाद संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहे हैं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं और प्रासंगिक तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है. कैलाश मानसरोवर यात्रा और उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने का कदम भारत और चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चार साल से अधिक समय से चल रहे सैन्य गतिरोध की वजह से प्रभावित संबंधों को सुधारने के प्रयासों का हिस्सा है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम शीघ्र ही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर सार्वजनिक सूचना जारी करेंगे और यात्रा जल्द ही दोबारा शुरू होने की संभावना है. उन्होंने कहा, यात्रा इस वर्ष होगी और हम इसकी तैयारियां कर रहे हैं. जल्द ही जनता के लिए अधिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी. कैलाश मानसरोवर यात्रा 2020 के बाद से नहीं हुई है.

जायसवाल ने उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के बारे में कहा, सैद्धांतिक रूप से, दोनों देश इस बात पर सहमत हो गए हैं कि उड़ान सेवा फिर से शुरू होगा. उन्होंने कहा, दोनों पक्षों की तकनीकी टीम उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए तकनीकी व्यवस्थाओं पर विचार कर रही हैं. दोनों नागरिक विमानन प्राधिकरणों की बैठक हुई है और वे अद्यतन रूपरेखा सहित प्रासंगिक तौर-तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं. पिछले महीने, भारत और चीन ने संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के तरीकों पर विचार किया और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रयास शुरू करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें इस वर्ष सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने के साथ-साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा की व्यवस्था करना भी शामिल है.

मुर्शिदाबाद हिंसा: पिता-पुत्र के अंतिम संस्कार में नहीं आया कोई नाई और ब्राह्मण

कोलकाता: मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज में हिंसा में मारे गए पिता-पुत्र का बुधवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया. उनके स्वजनों का दावा है कि धार्मिक कर्मकांड के लिए डर से कोई नाई या ब्राह्मण नहीं आया. उन्होंने किसी तरह अपने तरीके से कर्मकांड पूरा किया. उनका दावा है कि डर के कारण कोई भी उनके घर नहीं आना चाहता है. शमसेरगंज निवासी हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास की गत शुक्रवार को उपद्रवियों ने घर से खींचकर हत्या कर दी थी. पीड़ित परिवार ने बताया कि उनके इलाके में तीन नाई और दो ब्राह्मण हैं. परिवार के सदस्य श्राद्ध कर्म के लिए उनके पास गए थे. लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा. नाइयों ने बताया कि उनके पास इस काम के लिए आवश्यक उपकरण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं. इसके अलावा दोनों ब्राह्मणों ने कहा है कि घटना की जांच पुलिस कर रही है. इसलिए वे इस पचड़े में नहीं फंसना चाहते. परिवार वालों का दावा है कि दरअसल वे भय से आना नहीं चाहते थे, इस लिए उन्होंने इस तरह की बहानेबाजी की.

पिता-पुत्र की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित इंजामुल हक को जिले के सुती से गिरफ्तार है. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि इंजामुल के नेतृत्व में घटना को अंजाम देने के बाद आरोपितों ने सुबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी तोड़ दिए. इसके पहले इस हत्या की घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं. दोनों चचेरे भाई हैं. कालू नदाब बीरभूम के मुरारई इलाके का और दिलदार नदाब मुर्शिदाबाद के सुती का रहने वाला है. पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा में मारे गए पिता-पुत्र हरगोबिंदो दास और चंदन दास के परिवार के सदस्यों ने राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे को ठुकरा दिया है. पिछले सप्ताह अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न इलाकों में दंगे जैसे हालात तब पैदा हो गए थे, जब नए लागू किए गए वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए थे. मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज निवासी मृतक पिता-पुत्र के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 12 अप्रैल की सुबह प्रदर्शनकारियों का एक समूह उनके घर में घुस आया.

मुर्शिदाबाद में फिलहाल रहेगा केंद्रीय बल

कोलकाता: कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय बल कुछ समय के लिए मुर्शिदाबाद में रहेगा और अदालत पीड़ितों के पुनर्वास की निगरानी करेगी. इसके साथ ही हाई कोर्ट ने भाजपा, टीएमसी और अन्य के दलों के नेताओं को भड़काऊ भाषण नहीं देने का आदेश दिया, जिससे तनाव बढ़ सकता है. न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने राज्य सरकार को हिंसा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास की सुविधा के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया. इस समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सदस्य शामिल होंगे. वक्फ बार्ड संशोधन अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा से प्रभावित पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले को लेकर राज्य सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को जानकारी दी. राज्य सरकार ने न्यायालय को सूचित किया कि जिले की स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है. सरकार ने दावा किया कि पुलिस और प्रशासन ने हालात को काबू में लाने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं.

सियालदह मंडल के ईएमयू ट्रेनों में महिला कोचों की संख्या में वृद्धि

कोलकाता : उपनगरीय यात्रियों में महिलाओं की 25% की हिस्सेदारी को ध्यान में रखते हुए, 12 कोच की ईएमयू ट्रेन में 3 कोच महिलाओं के लिए होने चाहिए. इसी के अनुरूप, ट्रेन के दोनों सिरों से आधे-आधे हिस्से को मिलाकर तीसरे कोच का एक भाग सामान्य कोच से परिवर्तित कर महिला कोच में बदला गया है. इस प्रकार महिला कोच की संख्या एक और बढ़ाई गई है.पिछले वर्ष सियालदह मंडल द्वारा सभी उपनगरीय ट्रेनों की क्षमता को 9 कोच से बढ़ाकर 12 कोच किया गया था, जिससे सामान्य यात्रियों की सुविधा में भी वृद्धि हुई. वर्तमान में लगभग 900 सेवाएं प्रतिदिन 12 कोच की ईएमयू ट्रेनों के साथ संचालित हो रही हैं. परिवर्तन के पश्चात अब 3 कोच महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और शेष 9 कोच सामान्य यात्रियों के लिए हैं. पहले 2 कोच महिलाओं के लिए और 7 कोच सामान्य यात्रियों के लिए होते थे. यह देखा गया कि पहले केवल ट्रेन के दोनों सिरों पर एक-एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित होने के कारण, महिलाओं को चढ़ने और उतरने में अधिक समय लगता था, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा होता था और साथ ही उपनगरीय ट्रेनों की संचालन व्यवस्था और समय पालन पर भी असर पड़ता था.

प्रशासनिक लापरवाही के चलते हुगली में बेलगाम गंगा से मिट्टी और बालू की अवैध तस्करी

हुगली : हुगली के बालागढ़ और आसपास के इलाकों में गंगा नदी से मिट्टी की तस्करी एक गंभीर समस्या बनी हुई है, जिसका असर स्थानीय लोगों और पर्यावरण पर पड़ रहा है. रामकृष्ण परमहंस के कथन, धन मिट्टी है, मिट्टी धन है, को बालागढ़ के लोग अब दुखद रूप से अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि मिट्टी की अवैध तस्करी से उनकी जमीनें और आजीविका खतरे में हैं.जिले के बालागढ़, मशरा, नाटागढ़, सुंदरपुर, बक्सागोर, एकतारपुर, बकुलिया, धोबापाड़ा, सोमरा, जिरात जैसे क्षेत्रों में माफिया गंगा के तटों से मिट्टी और रेत निकालकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं. यह तस्करी नावों और डंपर ट्रकों के जरिए रात के अंधेरे में हो रही है, जिसे रोकने में प्रशासन नाकाम रहा है.मिट्टी कटाव के कारण गंगा के तटबंध टूट रहे हैं, जिससे सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि के नदी में समाने का खतरा उत्पन्न हो गया है. बालागढ़ ब्लॉक की 13 में से 9 ग्राम पंचायतों में कटाव शुरू हो चुका है, जिससे कई गांवों के नदी में समाने का खतरा मंडरा रहा है.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मिट्टी और रेत खनन पर रोक लगाने की चेतावनी देते हुए जिलाधिकारियों को निर्देश दिए थे, लेकिन स्थानीय निवासियों का कहना है कि तस्करी पहले की तरह जारी है. प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे यह गोरखधंधा चल रहा है, जिसमें कुछ स्थानीय नेता और पुलिसकर्मी भी कथित रूप से शामिल हैं.कुछ ठेकेदारों को मिट्टी खनन का सरकारी

ठेका मिला है, लेकिन वे तय सीमा से ज्यादा (जैसे 4 फीट की जगह 10-12 फीट) मिट्टी निकाल रहे हैं. गंगा से मिट्टी निकालने का मामला पोर्ट ट्रस्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है, जिससे राज्य प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है.स्थानीय किसानों की उपजाऊ जमीन नदी में डूब रही है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट है.कटाव के डर से लोग दहशत में जी रहे हैं. सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने चेतावनी दी है कि तस्करी नहीं रोकी गई तो कई पंचायतें नदी में समा सकती हैं.स्थानीय विधायक मनोरंजन बेपारी भू-माफिया के खिलाफ मुखर रहे हैं और कई बार रात में छापेमारी कर मिट्टी तस्करी की नाव पकड़ी है. उन्होंने आम लोगों से स्थानीय स्तर पर विरोध करने की अपील की है.वहीं भाजपा नेता सुरेश साव मिट्टी चोरी को पुराना मुद्दा बताते हुए सत्तारूढ़ पार्टी और पुलिस पर रिश्वत लेकर तस्करी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया. उनका कहना है कि पकड़े गए डंपरों को पुलिस छोड़ देती है.वहीं टीएमसी के उपप्रधान अशोक पोद्दार ने दावा किया कि मिट्टी खनन नियमों के तहत हो रहा है, लेकिन अनियमितताओं की जांच के लिए उन्होंने पुलिस और भू-राजस्व विभाग के साथ सहयोग की बात कही.

स्थानीय लोगों की मांग है कि गंगा तटों पर ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी बढ़ाई जाए. माफिया और संलिप्त अधिकारियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो.

मिट्टी खनन के परमिट की नियमित जांच हो और उल्लंघन करने वालों का ठेका रद्द किया जाए. सरकार द्वारा खर्च किए जा रहे अरबों रुपये का उपयोग वैज्ञानिक तरीके से तटबंध मजबूत करने में हो, न कि केवल कागजी योजनाओं में. गंगा से मिट्टी खनन पोर्ट ट्रस्ट के दायरे में आता है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकार को मिलकर नीति बनानी चाहिए.

क्रांतिकारी उल्लास कर दत्ता की 140वीं जयंती मनी

कोन्नगर : क्रांतिकारी उल्लास कर दत्ता की 140वीं जयंती मनाई गई. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम शोध संस्थान, क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी स्मारक ट्रस्ट, क्रांतिकारी उल्लास कर दत्ता स्मारक समिति और क्रांतिकारी बसंत विश्वास स्मारक समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ क्रांतिकारी हरेन बागची विश्वास ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर क्रांतिकारी परिवार से सुब्रत चाकी, तरुण विश्वास, सुबीर कुंडू, मिठू चक्रवर्ती, लेखक एवं न्यायाधीश बिप्लब रॉय सहित अन्य लोग उपस्थित थे. उल्लास कर दत्ता के पोते कौशिक दत्त गुप्ता ने कहा कि खुदीराम, प्रफुल्ल चाकी औरउल्लास कर के आदर्शों को अगली युवा पीढ़ी तक फैलाना होगा. 2 मई 1908 को ऐतिहासिक मुरारी तालाब बम विस्फोट कांड में क्रांतिकारी बारिन घोष, उल्लास कर दत्ता और अन्य सहित 14 क्रांतिकारियों को ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार किया था. ब्रिटिश भारत के सबसे कुशल बम निर्माताओं में से एक उल्लास कर दत्ता ने कुख्यात पुलिस कमिश्नर डगलस किंसफोर्ड की हत्या के लिए इसी क्षेत्र में बम बनाए थे.

यह झंडा हमारे प्रतिरोध का हथियार होगा : पूर्व विधायक अमिता भूषण

कांग्रेस का हर घर झंडा अभियान अनवरत जारी है

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : कांग्रेस का हर घर झंडा अभियान अनवरत रूप से गुरुवार भी जारी रहा.

शहर से लेकर पंचायत तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेसी विचारधारा से जुड़े लोगों के घर घर जाकर उनकी छतों पर कांग्रेस का झंडा फहराया. वीरपुर प्रखंड के पकड़ी और बरौनी प्रखंड के बथौली पंचायत में कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक अमिता भूषण स्वयं मौजूद रही. वीरपुर प्रखंड में अध्यक्ष धर्मराज सहनी जबकी बरौनी प्रखंड में अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में इस कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में काफी जोश दिखा. अमिता भूषण ने मौके पर जुटे कांग्रेसियों को आह्वान किया कि इस कार्यक्रम को आत्मा की गहराइयों से करें क्योंकि झंडा हमारे आत्म सम्मान का प्रतीक है. आज की सरकार ने लोकतान्त्रिक मर्यादाओं का जो हाल किया है उसका उदाहरण हम सब देख रहे हैं, संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर जिस तरह हमारे नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है उसमें यही झंडा हमारे प्रतिरोध का हथियार

होगा. इस झंडे के नीचे एकजुट होकर ही हम अपने नेता के लिये न्याय की लड़ाई लड़ने में सक्षम होंगे. इसलिये हम सब इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में एकजुटता का संदेश दे रहे है. इधर बेगूसराय सदर प्रखंड में अध्यक्ष विजय सिंह के नेतृत्व में भी कार्यक्रम चलाकर झंडा लगाने का कार्य किया गया.इसी दौरान अमिता भूषण ने भवानंदपुर पंचायत में दुःखद और आकस्मिक घटनाओं में मृत लोगों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी. इस अवसर पर पूर्व प्रखंड अध्यक्ष संजीव सिंह, अमित कुमार, प्रखंड अध्यक्ष धर्मराज सहनी, जितेंद्र साह, राममूर्ति, उप प्रमुख सुबोध पासवान,अजीत कुमार,रूपक कुमार, कौशल कुमार, बरौनी प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, मीडिया सेल के मोहित सिंह, मिथलेश कुमार सरपंच,राजेन्द्र यादव,संतोष शर्मा उपमुखिया, मो. शमसाद, मो.जमशेद ,संजय यादव,विजय सिंह,श्रीकांत राय,सुधीर राय, सुरेन्द्र महतो, नीरज तांती, कुमार रत्नेश टुल्लू सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भाजपा- धर्म के नाम पर राजनीति कर रही हैं : मोहम्मद सलीम

सिलीगुड़ी : दार्जिलिंग जिला सीपीआई(एम) कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने आज भाजपा और तृणमूल पर कई आरोप लगये, सीपीआई(एम) के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि भाजपा और तृणमूल हिंदू-मुस्लिमों को बांटकर राजनीति कर रहे है ! गुरुवार को उन्होंने सिलीगुड़ी स्थित सीपीआई(एम) जिला कार्यालय अनिल विश्वास भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीपीआईएम दार्जिलिंग जिला सचिव समन पाठक और सीपीआईएम दार्जिलिंग जिले के अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे.मोहम्मद सलीम ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में मुर्शिदाबाद का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें यानी भाजपा और तृणमूल हिंदू और मुसलमानों के बीच भेदभाव करके धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं. पूरा बंगाल जो देख रहा है उसका असर मतपेटी पर पड़ेगा. मोहम्मद सलीम ने नौकरियों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी राज्य सरकार की आलोचना की.

गोघाट में एक ही परिवार के तीन लोगों के शव मिलने से सनसनी

हुगली : हुगली जिले के गोघाट में बेंगाई ग्राम पंचायत के उपशालझार गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों लटका शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया. गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने उनके शवों को खटाल में लटका हुआ देखा. स्थानीय लोगों ने गोघाट थाने को इसकी सूचना दी. पुलिस ने तीनों को फंदे से उतारकर स्थानीय अस्पताल भेजा. वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतकों के नाम अनिमा नंदी (71), काशीनाथ नंदी (55) और ममता नंदी (47) हैं. हुगली जिला पुलिस(ग्रामीण) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्णु रॉय ने कहा कि पड़ोसियों का दावा है कि नंदी परिवार के सदस्य मानसिक अवसाद से पीड़ित थे. प्रारंभिक तौर पर यह माना गया कि उन्होंने आत्महत्या की. हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक मौत का कारण बताना संभव नहीं है.हालांकि नंदी परिवार के पड़ोसियों का दावा है कि काशीनाथ नंदी के 21 वर्षीय बेटे शांतनु ने भी आठ महीने पहले आत्महत्या कर ली थी. वह एक मेडिकल छात्र था. तब से पूरा परिवार मानसिक रूप से तबाह हो गया था. उन्होंने पड़ोसियों और रिश्तेदारों से बातचीत भी कम कर दी थी.

न्यूज कॉर्नर

रेलवे सुरक्षा बल की सजगता से 27 कछुए बरामद, सिलचर में मिले 450 जिंदा मेंढक

कोलकाता : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्परता और सजगता का परिचय देते हुए फरक्का एक्सप्रेस से तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 27 कछुए बरामद किए हैं. आरपीएफ को सिक्योरिटी कंट्रोल दानापुर से सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या 15734 फरक्का एक्सप्रेस में कुछ संदिग्ध लोग यात्रा कर रहे हैं. इस सूचना के बाद करीब 21.20 बजे ट्रेन के आरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आगमन के बाद आरपीएफ तथा जीआरपी आरा के अधिकारियों ने जवानों के साथ फरक्का एक्सप्रेस में तलाशी ली.एक्सप्रेस ट्रेन में जीआरपी बक्सर की एस्कॉर्ट पार्टी के साथ अन्य स्टाफ के द्वारा कोच संख्या एस-2 के शौचालय के पास तीन पुरुष एवं एक महिला खड़े हुए पाए गए. इनके पास पिट्ठू बैग और झोला था, जिसको जीआरपी आरा को सुपुर्द कर दिया गया. बाद में इस बैग को जीआरपी आरा के द्वारा विधिवत चेक किया गया तो रिहाना (31 वर्ष), पति विनोद के पास से उजले एवं पीले रंग के झोले में 04 अदद कछुए और काले रंग के पिट्ठू बैग में 03 अदद कछुए बरामद किए गए. वहीं विनोद नाम के व्यक्ति के पास से उजले एवं पीले रंग के झोले में 03 अदद कछुए और नेवी रंग के पिट्ठू बैग में 02 अदद कछुए तथा काले रंग के पिट्ठू बैग में 02 अदद कछुए मिले. तीसरे व्यक्ति उमेश के पास से काले एवं लाल रंग के पिट्ठू बैग में 04 अदद कछुए तथा बैगनी रंग के पिट्ठू बैग में 03 अदद कछुए पाए गए. इसके अलावा नीले एवं काले रंग के पिट्ठू बैग में 06 अदद कछुआ बरामद हुए. उपरोक्त सभी के पास से रेलवे सुरक्षा बल ने 27 अदद जिंदा कछुआ बरामद किया और जीआरपी आरा द्वारानियमानुसार कार्रवाई करते हुए जब्ती सूची बनायी गयी और जीआरपी थाना आरा लाया गया. बाद में उक्त गाड़ी के जीआरपी/बक्सर एस्कॉर्ट पार्टी के इंचार्ज प्रधान आरक्षी किरण देवी केडिया के द्वारा एक लिखित शिकायत पत्र थानाध्यक्ष जीआरपी आरा को दिया गया. उक्त शिकायत पत्र के आधार पर जीआरपी थाना आरा में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के विरुद्ध उपरोक्त मामला दर्ज किया गया. सिलचर में आरपीएफ का अभियान इसी तरह रेलवे सुरक्षा बल ने सिलचर रेलवे स्टेशन पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया. इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल ने प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास पड़े तीन लावारिस बैग बरामद किए.

पारिवारिक संपत्ति विवाद में बहन की हत्या

नदिया : नदिया जिले में पारिवारिक संपत्ति विवाद को लेकर लोहे की रॉड से विकलांग बहन की हत्या के आरोप में महकमा अदालत ने आरोपी भाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. सिर्फ 9 महीने के भीतर इतनी तेजी से सजा सुनाए जाने पर पीड़ित परिवार ने पुलिस, अदालत और सरकारी वकील की भूमिका की सराहना की है.पारिवारिक संपत्ति को लेकर विवाद में विकलांग बहन की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप उसके भाई पर लगा था. यह दिल दहला देने वाली घटना 4 जुलाई 2024, गुरुवार को नदिया के धानतला थाना क्षेत्र के कनीबाउनी इलाके में हुई थी. पुलिस ने जांच में पाया कि संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था. नदिया जिले के धानतला थाना क्षेत्र के कनीबाउनी निवासी 45 वर्षीय महिला अजीमा मंडल का अपने भाइयों के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था. आरोप है कि इसी विवाद के चलते 4 जुलाई 2024 की सुबह भाई असदुल मंडल ने अपनी बहन को लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा. बहन की चीख-पुकार सुनकर अन्य भाई दौड़े और महिला को बचाकर पहले दत्तपुलिया अस्पताल और फिर रानाघाट महकमा अस्पताल में भर्ती कराया. इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई.

मिड-डे मील कर्मियों का विरोध प्रदर्शन

कोन्नगर : गुरुवार, 17 अप्रैल को बरुइपारा ग्राम पंचायत के पल्टागढ़ स्कूल के मिड डे मील कर्मचारी रिंटू मुखर्जी की छंटनी का विरोध करने के लिए आज प्रदर्शन किया गया. इससे पहले सिंगुर के बीडीओ को प्रतिवेदन दिया गया. सीटू की ओर से कृष्णा अधिकारी, सुगता कर, सुजाता विश्वास और डेमोक्रेटिक मूवमेंट की ओर से अभिजीत संथारा उपस्थित थे.सुगत कर (सीआईटीयू) ने कहा कि मध्याह्न भोजन कर्मियों की राज्य आधारित यूनियन की ओर से उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर बीडीओ कार्यालय से चार बार संपर्क किया. उन्होंने बताया कि वे 21 साल से काम कर रही हैं, पर कोई वैधानिक छुट्टी नहीं है.

न्यू चेतन आर्नामेंट्स में अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में 18 से 20 अप्रैल तक धमाका ऑफर

धनबाद: न्यू चेतन ऑरनामेन्टस ने गुरुवार को अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में एक धमाका ऑफर की घोषणा की है. इस ऑफर के तहत 22 कैरेट हॉलमार्क सोने के आभूषण प्रत्येक दिन के भाव पर प्रति 10 ग्राम 6000/- रूपये की भारी छूट यानि आज का भाव 89900/- रूपये प्रति 10 ग्राम ऑफर रेट 83900/- रूपये प्रति 10 ग्राम.डायमंड के आभूषणों की खरीद पर 100% मेकींग चार्ज फ्री.चाँदी के आभूषणों के मेकींग चार्ज में 50% की छूट.ग्रहरत्न पर 20% की भारी छूट.एचयूआईडी हॉलमार्क के सारे आभूषण उपलब्ध है.यह ऑफर सिर्फ तीन दिनों 18 से 20 अप्रैल के लिए है. आप अपने सोने का आभूषणों का बुकिंग भी एडवांस पेमेन्ट में कर सकते हैं.

सार्टिफायड डायमंड के आभूषण एवं नामी-गिरामी कम्पनियों के आकर्षक डिजाइन के गहने उपलब्ध कराये गये. न्यू चेतन ऑरनामेन्टस में भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 100% हॉलमार्क सोने के गहने आकर्षक डिजाइनों के साथ विशाल रेंज में

उपलब्ध है.न्यू चेतन ऑरनामेन्टस अब गोविन्दपुर में भी जहां कैरेटोमीटर द्वारा आप अपने आंखों के सामने सोने की शुद्धता जांचे मात्र 30 सेकन्ड में, संचालक आयुष गोयनका ने कहा कि न्यू चेतन ऑरनामेन्टस देता है आपको 22 कैरट हॉलमार्क शुद्ध सोने के आभूषण जो आपको पूरे भारतवर्षी में इसकी पूरी कीमत दिलाता है. न्यू चेतन ऑरनामेन्टस की शाखा शिवशम्भु प्लाजा, जी. टी. रोड, गोविन्दपुर धनबाद में स्थित है.न्यू चेतन ऑरनामेन्टस के संचालक चेतन गोयनका ने कहा कि आभूषण बेचना ही नहीं बल्कि रिश्तों को कायम रखना एवं ग्राहकों की संतुष्टि ही न्यू चेतन ऑरनामेन्टस का उद्देश्य रहा है.

शुद्ध सोने आभूषण का मतलब का हॉलमार्क सोने के आभूषण, क्योंकि शुद्ध सोने के आभूषण को हॉलमार्क ही प्रमाणित करता है.

चूंकि सोना सुख-दुःख का साथी है. इसलिए उसे खरीदते समय अच्छी तरह समझें, जाँचें, परखें तब खरीदें.

मायुमं सुरभि शाखा ने नवजात कन्या की माताओं को किया सम्मानित

जमशेदपुर : गुरूवार को मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा एमजीएम हॉस्पिटल साकची में कन्या भ्रुण संरक्षण के तहत एक दर्जन से अधिक नवजात कन्या की माताओं को नये कपड़े और फल देकर सम्मानित किया गया. साथ ही भीष्ण गर्मी को देखते हुए बाराद्वारी गांधी आश्रम में डॉक्टर रुचिता अग्रवाल द्वारा बच्चों का हेल्थ चेकअप किया गया. गर्मी में होने वाली बिमारियों से बचाव हेतु हेल्थ संबंधित जानकारी दी गई. बच्चों के बीच चॉकलेट-बिस्किट का वितरण भी किया गया. इस दोनों कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरभि शाखा अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल, मेघा जैन, पायल अग्रवाल आदि सदस्यों का योगदान रहा.

ग्रामीण अस्पताल में रोगी की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

सिलीगुड़ी : फांसीदेवा ग्रामीण अस्पताल में एक रोगी की मौत के बाद परिजनों ने चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया. तनाव के मद्देनजर फांसीदेवा थाने की पुलिस वहां पहुंची और बिगड़ती स्थिति को संभाला. इलाज में लापरवाही के आरोप को अस्पताल प्रशासन ने सिरे से नकार दिया है. मृतक का नाम मोहम्मद तमीजुद्दीन है. वह फांसीदेवा के कालू जोत के निवासी थे.सूत्रों के अनुसार, तीन दिन पहले पेट की समस्या के कारण तमीजुद्दीन को फांसीदेवा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां गुरुवार को रोगी की मौत हो गई. इधर जैसे रोगी के परिजनों को सुबह यह खबर मिली स्थिति गरमा गई. ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक के खिलाफ परिजनों ने गुस्सा जाहिर करते हुए हंगामा शुरू कर दिया. घटना की सुचना पर फांसीदेवा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और बिगड़ती स्थिति को संभाला.दूसरी तरफ, खबर मिलने के बाद सिलीगुड़ी महकमा परिषद के कार्यकारी सभाधिपति ऐनुल हक भी मौके पर पहुंचे. बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया गया.परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी तमीजुद्दीन को चिकित्सा सुविधा नहीं दी गई. चिकित्सीय लापरवाही के कारण तमीजुद्दीन की मौत हुई है.हालांकि, फांसीदेवा ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शाहीनूर इस्लाम ने कहा, इसमें कोई लापरवाही नहीं हुई है. मरीज की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई.

सीआईएसएफ यूनिट एनटीपीसी के अग्निशमन दस्ता ने किया स्कूलों में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह-2025 के अवसर पर एनटीपीसी बरौनी की केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अग्निशमन इकाई के द्वारा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.दिनांक 16 अप्रैल 2025 को केन्द्रीय विद्यालय गढ़हरा एवं राजकीय कृत मध्य विद्यालय, बीहट में तथा 17 अप्रैल 2025 को डीएवी स्कूल, हर्ल बरौनी में अग्नि सुरक्षा जागरूकता शिविर का सफल आयोजन हुआ.कार्यक्रम के दौरान सहायक समादेष्टा/अग्नि भाष्कर दास एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को आग लगने के कारण, आग के विभिन्न वर्गीकरण एवं उसे बुझाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी. विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के फायर एक्सटिंग्यूशर के प्रयोग की विधि भी व्यावहारिक रूप

से समझाया गया. सहायक समादेष्टा श्री दास ने आपातकालीन स्थिति में किसी घायल व्यक्ति को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देने और रेस्क्यू मेथड से सुरक्षित निकालने के तरीके भी सिखाये. साथ ही अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन कर उनके उपयोग और महत्व पर प्रकाश डाला.अग्निशमन दस्ता द्वारा फायर टेण्डर से मॉनिटर द्वारा पानी छोड़ने की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों के समक्ष प्रदर्शित की गई.

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी फायर एक्सटिंग्यूशर चलाकर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया.केन्द्रीय विद्यालय गढ़हरा में इस जागरूकता कार्यक्रम में कुल 922 विद्यार्थी, 10 शिक्षक उपस्थित रहे. वहीं राजकीय कृत मध्य विद्यालय, बीहट में 650 विद्यार्थी, 10 शिक्षक एवं 8 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया. इसके अतिरिक्त 17 अप्रैल को डीएवी स्कूल, हर्ल बरौनी में आयोजित कार्यक्रम में 957 विद्यार्थी एवं 33 शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई.कार्यक्रम के समापन पर विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा एनटीपीसी बरौनी की अग्निशमन टीम को विद्यार्थियों में सुरक्षा जागरूकता फैलाने के लिये सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम के दौरान कंपनी कमांडर/अग्नि ने सभी विद्यार्थियों को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी एवं इस प्रकार के किसी भी आपातकालीन स्थिति में घबराये बिना त्वरित व सुरक्षित कदम उठाने की सीख दी. सीआईएसएफ यूनिट, एनटीपीसी बरौनी द्वारा चलाये गये इस जन-जागरूकता अभियान की स्थानीय स्तर पर प्रशंसा की जा रही है. इस तरह के प्रयास समाज में सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में बेहद प्रभावशाली साबित हो रही है.

न्यूज कॉर्नर

प्राथमिक भर्ती मामले में फिर खारिज हुई पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत आज का एक बार फिर खारिज कर दी गई है. गुरुवार को अदालत में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने दलील दी की इस समय उन्हें जमानत पर रिहा करने से सबूत नष्ट हो सकते हैं. उल्लेखनीय है कि 2022 में ईडी ने भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था. उन्हें पिछले अक्टूबर में प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था. प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार से संबंधित ईडी मामले में पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी गई है. हालांकि, सीबीआई मामले में जमानत आवेदन बार-बार खारिज कर दिए गए. इस मामले की अंतिम सुनवाई 3 अप्रैल को हुई थी. इस मामले में फैसला 11 अप्रैल को सुनाया जाना था. हालांकि, उस दिन जज अनुपस्थित थे. फिर मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई. पार्थ ने शारीरिक बीमारी का हवाला देते हुए जमानत के लिए आवेदन किया. लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ. अदालत ने इसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी. कोर्ट भवन में सीबीआई के मामले में न्यायाधीश ने कहा, आरोप पत्र समेत सभी साक्ष्यों की जांच की जा चुकी है. पार्थ चटर्जी भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सीधे तौर पर शामिल हैं. मामला इस समय बहुत महत्वपूर्ण चरण में है. इसलिए इस समय पार्थ को जमानत देना संभव नहीं है. उल्लेखनीय है कि इस मामले में सीबीआई की चार्जशीट में कुल 11 लोगों के नाम हैं. इनमें से 8 को जमानत मिल गई है. पार्थ चटर्जी सहित शेष तीन अभियुक्त अभी भी जेल में हैं.

मुर्शिदाबाद में बेघरों को बांटी जा सकेगी राहत, हाईकोर्ट ने स्वयंसेवी संगठनों को दी सशर्त इजाजत

कोलकाता : मुर्शिदाबाद के धुलियान और शमशेरगंज में संशोधित वक्फ अधिनियम के विरोध को लेकर हुई हिंसा के चलते बेघर हुए लोगों में राहत सामग्री बांटने की इजाजत स्वयंसेवी संस्थाओं को मिल गई है. कलकत्ता उच्च न्यायालय ने स्वयंसेवी संगठनों को इन दो इलाकों में बेघर लोगों को सप्ताह में एक दिन राहत सामग्री वितरित करने की सशर्त अनुमति दे दी है. न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने आदेश दिया कि स्वयंसेवी संगठन अगले दो सप्ताह में दो दिन राहत सामग्री वितरित कर सकेंगे. राहत सामग्री के वितरण से 24 घंटे पहले जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को सूचित करना होगा. उन्हें जिला मजिस्ट्रेट को विस्तृत जानकारी देनी होगी कि वे कहां जाना चाहते हैं, कितने लोग जाना चाहते हैं और वे किसकी मदद करना चाहते हैं. स्वयंसेवी संगठन उनके निर्देशानुसार राहत सामग्री वितरित कर सकेंगे. इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी. उल्लेखनीय है कि संशोधित वक्फ कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद में उग्र स्थिति उत्पन्न हो गई थी. घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई. कई लोग विस्थापित भी हुए. डीजी राजीव कुमार ने स्वयं क्षेत्र का दौरा किया. बीएसएफ इलाके में तैनात है. फिलहाल मुर्शिदाबाद में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बुधवार को शिकायत की थी कि बेघर लोगों के लिए पर्याप्त भोजन की व्यवस्था नहीं की जा रही है. उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा को इलाके में जाने से रोका जा रहा है, जबकि वे राहत सामग्री उपलब्ध कराना चाहते हैं.

करोड़ों रुपए की ठगी करने वाला फर्जी कस्टम अधिकारी गिरफ्तार

कोलकाताः करोड़ों रुपए की ठगी करने वाला फर्जी कस्टम अधिकारी कचरापाड़ा से गिरफ्तार किया गया है. साथ ही नीली बत्ती लगी एक्सयूवी कार और पिस्टल जब्त किया गया है मिहिर घोष नाम का व्यक्ति कचरापारा, जौनपुर क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों से फर्जी कस्टम अधिकारी बनकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर रहा था. लेकिन गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर जेठिया पुलिस थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. कचरापारा जौनपुर के निवासियों ने आरोप लगाया है कि किसी को नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की गई है तो किसी को कस्टम अधिकारी की आड़ में कम कीमत पर सोना बेचने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की गई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार इस जालसाज ने विभिन्न लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की है.

कोलकाता सह राज्य के तमाम जिलों में आंधी व बारिश, बिजली गिरने से एक श्रमिक की मौत

जयदीप यादव/कोलकाता : लगभग मौसम विभाग ने जैसी चेतावनी जारी किया था लगभग वैसा ही हुआ. शाम होने वाली थी कि महानगर कोलकाता सहित बंगाल के तमाम जिलों में अंधेरा छा गया. हवाएं चलने लगी, रास्ता घाटों पर चल रहे लोग धूल भरी आंधी से बचने के लिए ठौर तलाशने दिखे. देखते ही देखते मौसम का मिजाज बदल गया और फिर बारिश और हवाओं ने लोगों को गर्मी से थोड़ा आराम दिया. हावड़ा, हुगली सहित बंगाल के खास कर लगभग पूरे दक्षिण बंगाल में मूसलाधार बारिश होने लगी. बारिश के कारण इस खबर के लिखे जाने तक कोलकाता शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी जमा होने लगा. इसी दौरान बिजली गिरने के कारण माल्दा को गोपालन कॉलोनी में एक श्रमिक की मौत हो गई है. हावड़ा में कई जगहों पर बारिश हुई है. इसके साथ ही कालबैसाखी का भी असर रहा. गरज और बिजली के साथ भारी बारिश हो रही थी. वहीं महानगर कोलकाता में कार्यालय से लौटे रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा. वैसे अलीपुर मौसम कार्यालय के अनुसार अगले कुछ दिनों में दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा. तूफान और बारिश हुई है, इसलिए तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन जब सूरज निकलेगा तो तापमान फिर से बढ़ जाएगा. अगले सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं. हालांकि मंगलवार से आसमान साफ रहेगा और तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी होगी. शनिवार को भी दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम और पुरुलिया में आंधी और बारिश की संभावना रहेगी. इसके बावजूद दक्षिण बंगाल में छिटपुट बारिश जारी रहेगी.

बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद में पिता-पुत्र की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल पुलिस ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के जाफराबाद में एक पिता और पुत्र की नृशंस हत्या के एक साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया है, जिससे अब तक गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या तीन हो गई है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. अतिरिक्त महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने कहा कि जिस इलाके में हत्याएं हुई थीं, वहां के निवासी इंजामुल हक को बुधवार देर रात छापेमारी के बाद जिले के सुती इलाके से गिरफ्तार किया गया. सरकार ने कहा, वह न केवल जघन्य अपराध की साजिश में शामिल था, बल्कि उसने इलाके में बिजली की आपूर्ति काटकर और सीसीटीवी कैमरों को नष्ट करके सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. हरगोबिंद दास (72) और उनके बेटे चंदन (40) की दोहरी हत्या से व्यापक तनाव फैल गया और जिले के कुछ हिस्सों में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए. उन्हें शुक्रवार को मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने उनके घर के सामने मार डाला. सरकार ने यह साफ नहीं किया कि क्या दोनों हत्याओं की साजिश

पहले ही रच ली गई थी या उन्हें हिंसा के सिलसिले में अंजाम दिया गया था. उन्होंने कहा कि अभी जांच शुरुआती चरण में है. राज्य पुलिस ने मुर्शिदाबाद के डीआईजी सैयद वकार रजा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया, जो जिले में इस घटना और हिंसा के अन्य मामलों की जांच करेगा. इस सप्ताह की शुरुआत में, पुलिस ने अपराध के सिलसिले में दो भाइयों, कालू नवाब और दिलदार नवाब को गिरफ्तार किया था - जो उसी इलाके के निवासी हैं. कालू को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सुती में एक गांव से गिरफ्तार किया गया था, जबकि दिलदार को झारखंड सीमा के पास बीरभूम के मुराराई से पकड़ा गया था. पुलिस ने कहा कि एसआईटी हिंसा की घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच करेगी, जिनमें तीन लोगों की जान चली गई, संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और जानलेवा चोटें आईं तथा जिनके बाद सैकड़ों हिंदू परिवार पड़ोसी जिलों और राज्यों में भागने को मजबूर हुए. अधिकारी ने बताया कि दंगों के सिलसिले में अब तक जिले भर में 278 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. एडीजी ने कहा, मैं फिर दोहराता हूं कि इस जघन्य कृत्य में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. सभी अपराधियों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा. सरकार ने कहा कि पिछले चार दिन में हिंसा की कोई नई घटना नहीं हुई है और जिले के प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही है. उन्होंने यह भी बताया कि 85 परिवार जो अपने घर छोड़कर चले गए थे, अब वापस आ गए हैं और राज्य प्रशासन उन्हें जीवन फिर से शुरू करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक चीजें मुहैया कराने की दिशा में हर समय काम कर रहा है.

भाजपा नेता दिलीप घोष आज शाम 61 साल की उम्र में रचाएंगे शादी

कोलकाताः आमतौर पर भारतीय जन जीवन में एक कहावत प्रचलित है कि जोड़ियां आसमान से बनकर आती हैं...! कहावत तो पुरानी है कि जोड़ियां ऊपर से बनती हैं. जी हां, भाजपा के पूर्व बंगाल प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद, पूर्व विधायक दिलीप घोष अपने जीवन के 61वें वर्ष में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं. वह आज यानी शुक्रवार को अपने न्यू टाउन स्थित आवास पर दुल्हन रिंकू मजूमदार के साथ सात फेरे लेंगे. रिंकू भाजपा की दक्षिण कोलकता की सक्रिय नेता और कार्यकर्ता हैं और दोनों की पहली मुलाकात पार्टी के कार्य के दौरान ही हुआ था. दिलीप के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव हार गए थे तो वे काफी उदास थे, तो रिंकू ही पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने उन्हें प्रस्ताव दिया था कि वे साथ मिलकर परिवार शुरू करना चाहती हैं. उन्होंने कहा कि अब उनके साथ कोई नहीं है. वह दिलीप के साथ रहना चाहती है. अब तक कुवांरा रहे दिलीप ने पहले तो मना कर दिया था, लेकिन बाद में अपनी मां के आग्रह पर विचार कर सहमत हो गए. क्योंकि, छह महीने पहले भी उन्होंने शादी के बंधन में बंधने के बारे में नहीं सोचा था. लेकिन धीरे-धीरे उन्हें यह भी एहसास हुआ कि जीवन का यह चक्र भी पूरा होना चाहिए. तीन अप्रैल को ईडन में केकेआर का आइपीएल मैच देखना व्यावहारिक रूप से एक 'फिक्स डील' थी. उस दिन दिलीप, उनकी भावी पत्नी और भावी ससुराल वाले क्लब हाउस के बाक्स नंबर 11 में बैठकर खेल देख रहे थे. मामले पर दिलीप ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि क्यों, क्या मैं शादी नहीं कर सकता? क्या शादी करना अपराध है? दिलीप ने हां या ना नहीं कहा. लेकिन जिस तरह उन्होंने हां नहीं कहा, उसी तरह उन्होंने नहीं भी नहीं कहा. इस खबर की सच्चाई जानने के लिए दिलीप से संपर्क किया गया लेकिन जवाब नहीं दिया. हालांकि, दिलीप के करीबी लोगों का कहना है कि हमेशा की तरह उन्होंने एक साहसिक निर्णय लिया है. पार्टी के एक वर्ग ने उन्हें बधाई भी दी है. विवाह में आमंत्रित लोगों की संख्या बहुत अधिक नहीं है. मुख्य रूप से दिलीप और रिंकू के करीबी रिश्तेदारों को ही आमंत्रित किया गया है. रिंकू तलाकशुदा गृहिणी है. एक बेटे की मां है. उनका बेटा सेक्टर पांच में आइटी क्षेत्र में काम करता है.

अभया फंड का खर्चा विवादों में

धरना और अनशन में 15 लाख से अधिक की रकम खर्च

कोलकाता : आर.जी. कर अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ हुई अमानवीय घटना के बाद विरोध में उतरे जूनियर डॉक्टरों ने 'अभया' फंड के नाम पर जुटाई गई राशि का उपयोग धरना और अनशन जैसे आंदोलनों में किया, जिसकी कुल लागत 15 लाख रुपये से अधिक बताई गई है. जैसे ही इस फंड का ब्योरा सार्वजनिक हुआ, राज्य भर में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं. 'अभया' फंड मूल रूप से आर.जी. कर अस्पताल की पीड़िता के न्याय और सहायता के लिए बनाया गया था. लेकिन अब आरोप है कि इस राशि का इस्तेमाल प्रदर्शन, प्रचार और मंच निर्माण जैसे खर्चों में किया गया. आंदोलन से जुड़े अनिकेत महातो, किंजल नंद और देवाशीष हल्दार पर फंड के दुरुपयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं. जूनियर डॉक्टरों द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के अनुसार, धर्मतला में आयोजित अनशन पर आठ लाख 79 हजार 257 रुपये और आर.जी. कर अस्पताल में धरने पर छह लाख 26 हजार खर्च किए गए. कुल मिलाकर, 15 लाख पांच जार से भी अधिक की राशि आंदोलन में खर्च हो गई. प्रश्न यह उठ रहा है कि जहां अनशन में डॉक्टर भोजन नहीं कर रहे थे, वहां लगभग नौ लाख रुपये कैसे खर्च हुए? खर्च की गई राशि में मंच निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं की बात कही गई है, लेकिन इस पर भी सवाल उठ रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस की ओर से लगातार आरोप लगाया गया है कि डॉक्टरों ने 'अभया' के नाम पर चंदा इकट्ठा किया, लेकिन न तो पीड़िता के माता-पिता को आर्थिक सहायता दी गई और न ही कानूनी लड़ाई का कोई स्पष्ट खाका सामने रखा गया. जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट की ओर से यह दावा जरूर किया गया कि बचे हुए पैसे अभया के लिए कानूनी लड़ाई में लगाए जाएंगे, लेकिन न वकील का नाम बताया गया, न ही कोई दस्तावेजी जानकारी दी गई. अब यह मुद्दा न सिर्फ नैतिकता बल्कि पारदर्शिता पर भी सवाल खड़ा कर रहा है. आम जनता और आंदोलन में शामिल कई डॉक्टरों की ओर से भी फंड के सही इस्तेमाल को लेकर असंतोष सामने आ रहा है.

बीएसएफ जवान पर पत्नी की गला घोंटकर हत्या का आरोप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता : अवैध प्रेम संबंध के चलते बीएसएफ जवान पर पत्नी की गला रेतकर हत्या करने का संगीन आरोप सामने आया है है. नोआपाड़ा पुलिस ने आरोपी बीएसएफ जवान को गिरफ्तार कर लिया है. बताया जाता है उसका अपनी प्रेमिका के साथ संबंध को लेकर अपनी पत्नी से विवाद था और उस विवाद के चलते उसने अपनी पत्नी पंपा चटर्जी की गला दबाकर हत्या कर दी. आरोपी बीएसएफ जवान श्रीनगर में कार्यरत है. नोआपाड़ा थाने की पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. मृतका के परिवार ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को उसके दामाद दीपांकर चटर्जी द्वारा लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था. जब उसने उसके अवैध प्रेम का विरोध किया तो उसने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी.

कोलकाता पुलिस प्रमुख ने हिंसा प्रभावित भांगर का दौरा किया

कोलकाताः कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने बृहस्पतिवार को दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर के कुछ हिस्सों का दौरा किया और कहा कि इलाके में स्थिति अब पूरी तरह शांतिपूर्ण है. कुछ दिन पहले वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान संबंधित क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी थी. सोमवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान 'इंडियन सेकुलर फ्रंट' (आईएसएफ) के समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई थी. वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बसंती राजमार्ग पर भोजेरहाट क्षेत्र का दौरा किया. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, स्थिति अब बिलकुल शांतिपूर्ण है. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने राजमार्ग के एक हिस्से में लगे सीसीटीवी का भी निरीक्षण किया. वर्मा ने कहा, ऐसी घटनाएं विशेष परिस्थितियों में होती हैं और पुलिस त्वरित कार्रवाई शुरू करती है. हालांकि, एक घटना जमीनी स्तर पर समग्र स्थिति को नहीं दर्शाती है. इलाके में अभी कोई तनाव नहीं है और स्थिति सामान्य है.

21 अप्रैल को शालबनी में जिंदल के थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखेंगी मुख्यमंत्री

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगामी 21 अप्रैल को शालबनी में जिंदल थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखेंगी और अगले दिन गोआलतोर में सौर ऊर्जा प्लांट का उद्घाटन करेंगी. स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा. गुरुवार को नबान्न में पत्रकारों से बात करते हुए ममता ने कहा, बंगाल उद्योग के लिए नया ठिकाना है. आगामी 21 अप्रैल को दोपहर 2 बजे शालबनी में जिंदल के थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी जाएगी. जैसे-जैसे समय बीत रहा है, लोगों की संख्या बढ़ रही है. नतीजतन, मांग बढ़ रही है. पहले लोग एसी का इस्तेमाल नहीं करते थे. अब लगभग सभी करते हैं. बिजली की खपत में 11 फीसदी की वृद्धि हुई है. अगर देउचा पचामी प्रोजेक्ट शुरू हो जाए तो अगले 100 साल तक कोई समस्या नहीं होगी. बिजली की कीमतें कम होंगी. हम कीमतें नहीं बढ़ाते. सीईएससी कीमतें बढ़ाती है. यह हमारे हाथ में नहीं है. जितने अधिक बिजली संयंत्र होंगे, कीमतें उतनी ही संतुलित होंगी. उल्लेखनीय है कि शालबनी में 800 मेगावाट के दो संयंत्र बनाए जा रहे हैं. जिंदल बंधुओं ने 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. उन्होंने आगे कहा, सागरदिघी में पावर प्लांट पर काम चल रहा है. दुर्गापुर, बकरेश्वर में पावर प्लांट पर काम चल रहा है. संथाल दिघी में भी काम चल रहा है. पूरे बंगाल में कई पावर प्लांट बन रहे हैं. इसके कारण रोजगार बढ़ेगा. आमदनी भी बढ़ेगी. अब लोड शेडिंग नहीं होगी. 22 अप्रैल को दोपहर 12:30 बजे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गोआलतोर सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगी. इस परियोजना के लिए 80 फीसदी वित्तीय निवेश एक जर्मन कंपनी ने किया है. शेष धनराशि राज्य सरकार उपलब्ध करा रही है. यह परियोजना 757 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित की गई है.

हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के पीड़ितों ने राज्यपाल से की मुलाकात

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार बृहस्पतिवार को मुर्शिदाबाद में हालिया दंगों के कारण बेघर हुए लोगों के एक समूह को राजभवन ले गए, जहां उन्होंने राज्यपाल सी वी आनंद बोस को अपनी व्यथा सुनाई. प्रभावित लोगो ने राज्यपाल से उनकी नौकरी, आर्थिक मुआवजे और सुरक्षा के लिए स्थायी केंद्रीय बल व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया. पीड़ित कथित रूप से हमला किये जाने और अपने घरों से बाहर निकाले जाने के बाद राहत शिविरों में रह रहे हैं. पीड़ितों ने राज्यपाल को बताया कि किस प्रकार उनके सामान लूट लिये गये और घरों, दुकानों तथा संपत्तियों में आग लगा दी गयी, जिससे उन्हें केंद्रीय बलों की मदद से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा. पीड़ितों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आगे हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में एक स्थायी बीएसएफ शिविर स्थापित करने की मांग की. उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने में मदद की जाए, साथ ही आर्थिक मुआवजा भी सुनिश्चित किया जाए ताकि वे अपना जीवन फिर से शुरू कर सकें. बैठक से पहले राज्यपाल बोस ने संवाददाताओं से कहा, यह एक संवेदनशील मुद्दा है. मुझे उन पीड़ितों के प्रति पूरी सहानुभूति है जिन्होंने अपने घर और आजीविका खो दी है. मैं उनकी शिकायतें सुनने और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए उनसे मिलूंगा. बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ये लोग लक्षित हिंसा के शिकार हैं. राज्य सरकार उन्हें बचाने में विफल रही है. भाजपा पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर राजनीतिक हिंसा और अराजकता का आरोप लगा रही है जबकि राज्य सरकार ने ऐसे दावों से इनकार किया है.

बोस आज करेंगे हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले का दौरा, प्रभावितों से मिलेंगे

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुरोध को दरकिनार करते हुए हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के अपने दो दिवसीय कार्यक्रम पर अडिग हैं. मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से हिंसा प्रभावित इलाकों का अभी दौरा नहीं करने और कुछ दिन इंतजार करने का अनुरोध किया था. बोस ने राजभवन में संवाददाताओं से कहा कि स्वयं जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए वह कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और लोगों से मुलाकात करेंगे. राज्यपाल के हिंसा पीड़ितों से मिलने, जमीनी स्थिति का आकलन करने तथा जिला अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के साथ चर्चा करने की उम्मीद है. बनर्जी द्वारा अभी वहां नहीं जाने के अनुरोध के बारे में पूछे जाने पर बोस ने कहा कि मुख्यमंत्री के अनुरोध को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा, लेकिन मुर्शिदाबाद के पीड़ितों, विशेषकर महिलाओं से मिलने के बाद वह स्वयं जमीनी स्थिति का आकलन करने जा रहे हैं. राज्यपाल ने कहा, यदि शांति बहाल हो जाती है, तो मुझे बहुत खुशी होगी. एक बार जब मुझे एहसास हो जाएगा कि शांति बहाल हो गई है, तो मैं सबसे खुश व्यक्ति होऊंगा और उसी के अनुसार अपनी रिपोर्ट तैयार करूंगा.

बेरोजगार हुए 'बेदाग' शिक्षक उच्चतम न्यायालय के आदेश से असंतुष्ट

कोलकाताः बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की वजह से उच्चतम न्यायालय द्वारा बर्खास्त किये गए पश्चिम बंगाल के सरकार-संचालित एवं इससे वित्त-पोषित विद्यालयों के शिक्षकों ने शीर्ष अदालत की ओर से उनकी सेवा को अस्थायी रूप से विस्तारित किये जाने को 'अल्पकालिक राहत' करार देते हुए असंतुष्टि जताई. शीर्ष अदालत ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को 31 मई तक नयी भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और 31 दिसंबर तक इसे पूरा करने का निर्देश दिया. न्यायालय ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) और राज्य सरकार को तय समय सीमा तक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का विवरण देते हुए अनुपालन हलफनामा दायर करने का भी निर्देश दिया. अदालत के फैसले की वजह से 2016 में जारी विज्ञापन में एसएससी के जरिये भर्ती हुए और अब बेरोजगार हुए 26,000 शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों में शामिल पंकज रॉय ने बातचीत में कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रति पूरे सम्मान के साथ, आइए हम उस आदेश पर अपना असंतोष व्यक्त करें, जिसने हमें केवल 31 दिसंबर तक कक्षाओं में पढ़ाने की अनुमति दी है. उन्होंने सवाल किया, उसके बाद क्या होगा? उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार से नई अधिसूचना जारी करने को कहा है. हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि 2016 की भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद हम पात्र उम्मीदवारों के रूप में नयी परीक्षा नहीं देंगे. उत्तर बंगाल के एक माध्यमिक विद्यालय में राजनीति विज्ञान के शिक्षक रॉय ने पिछले सप्ताह आचार्य भवन में डब्ल्यूबीएसएससी कार्यालय के बाहर तीन दिन तक अनशन किया था. उन्होंने 2016 के विज्ञापन के आधार पर भर्ती कर्मियों में दागी और बेदाग अभ्यार्थियों के बीच अंतर करने वाली सूची प्रकाशित करने की मांग की थी. रॉय ने डब्ल्यूबीएसएससी से न्यायालय को यह स्पष्ट करने का भी आग्रह किया कि पात्र शिक्षकों को बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, शीर्ष अदालत के आदेश में शिक्षकेतर अभ्यर्थियों के मामले को भी शामिल नहीं किया गया है. रॉय ने कहा, हमारे विचार में यह चूक राज्य सरकार और एसएससी द्वारा प्रदर्शन कर रहे बर्खास्त कर्मचारियों के बीच विभाजन पैदा करने के प्रयास का परिणाम है. 'योग्य शिक्षक मंच' के धृतिश मंडल ने रॉय का समर्थन करते हुए सवाल किया, हम दागी उम्मीदवार नहीं हैं. यह बात न्यायालय के आदेश में भी स्वीकार की गई है. फिर हमारी सेवाएं 31 दिसंबर तक ही क्यों बढ़ाई जानी चाहिए? सेवा नियमों के अनुसार, हमें सेवानिवृत्ति की उम्र (60 वर्ष) तक सेवा करनी चाहिए. यदि डब्ल्यूबीएसएससी को पता है कि कौन दागी है और कौन नहीं, तो वे न्यायालय के समक्ष स्पष्ट रूप से क्यों नहीं बता सकते? मंडल ने रेखांकित किया कि 2016 की भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से उत्तीर्ण हुए और मेहनत से काम करने वाले शिक्षक नई परीक्षा देने को तैयार नहीं हैं. उन्होंने कहा, हमारी कड़ी मेहनत और वर्षों की सेवा के बाद यह अल्पकालिक विस्तार कोई मायने नहीं रखता. जब तक हमें सही मायनों में न्याय नहीं मिल जाता, हम अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे. मंच के 70 सदस्यों ने 16 अप्रैल को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन शुरू किया था, जबकि 100 से अधिक सदस्य तीन अप्रैल से कोलकाता के एस्प्लेनेड में अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं. यह पूछने पर कि क्या शिक्षक शनिवार से कक्षाएं फिर से शुरू करेंगे, प्रदर्शनकारियों ने कहा, हम जल्द ही निर्णय लेंगे. अगर हम स्कूल लौटते हैं, तो यह पूरी तरह से छात्रों के हित में होगा, जो परेशान हैं. बांकुड़ा जिले के विष्णुपुर हाई स्कूल की प्रबंध समिति के एक सदस्य ने कहा कि आठ शिक्षकों की बर्खास्तगी के बाद यहां शैक्षणिक कार्य में समस्या आ रही है. पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रामानुज गांगुली से इस बारे प्रतिक्रिया लेने के लिए संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन कॉल का जवाब नहीं दिया.

मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज और सुती थानों के ओसी हटाये गए

कोलकाताः दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद ज़िले में शांति बहाली की कवायद लगातार जारी है और वहां पर जन जीवन की रफ्तार लोटने भी लगी है. इसी बीच राज्य पुलिस ने इस बार मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज और सुती पुलिस थानों के ओसी को हटा दिया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक इन दोनों पुलिस स्टेशनों पर उपनिरीक्षक रैंक के अधिकारी ही तैनात थे. इस बार वहां इंस्पेक्टर रैंक का एक अधिकारी लाया गया. परिणामस्वरूप, जंगीपुर पुलिस जिले के अंतर्गत आने वाले दोनों पुलिस स्टेशनों का महत्व बढ़ गया है. पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है. इसकी जानकारी अधिकारियों ने आज दी. नए वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद जिले में पिछले सप्ताह भड़की हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है. एसआईटी में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खुफिया शाखा), दो उप अधीक्षक - एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (सीआईएफ) से और दूसरा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से साथ ही पांच निरीक्षक (सीआईडी से चार और यातायात पुलिस से एक सहित) और सुंदरबन पुलिस जिले के अंतर्गत साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शामिल हैं.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

संपर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआईबी-जीबीआरए-एमडीएसई-25-26, दिनांक 16.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नामः अनुसूची ए - हावड़ा मंडल के तहत उपनगरीय अनुभागों में मधुसूदनपुर, पोड़ाबाजार, सिबाईचंडी, हाजीगढ़, झापनडांगा स्टेशनों में टीआईबी, पीए सिस्टम एवं जीपीएस क्लॉक का प्रावधान। अनुसूची बी - हावड़ा मंडल के तहत उपनगरीय अनुभागों में गोबरा, जनाई रोड, मिर्जापुर-बांकीपुर, बलरामबाटी स्टेशनों में टीआईबी, पीए सिस्टम एवं जीपीएस क्लॉक का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यः रु. 3,31,07,684.21; बयाना राशि/बोली सुरक्षाः रु. 3,15,500; निविदा दस्तावेज की कीमतःरु. 0.00; बोली शुरू होने की तारीखः 25.04.2025. समापन अवधिः 09 महीने। प्रस्ताव की वैधताः 60 दिन। निविदा बंद होने की तारीखः 09.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समयः 16.04.2025 को अपराह्न 05.23 बजे। निविदा अनुभागः एसएनडीटी। (HWH-33/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

AFFIDAVIT

I, Sheetal Derasari, aged about 41 years, wife Shasank Derasari, by faith Hindu, by occupation Housewife, presently residing at 15, A Kalakar Street, Posta, Kolkata-700007 and previously of 2/1, Nawab Ali Lane, Ekbalpore, Kolkata-700023, W.B., do hereby solemnly affirm and declare before Judicial Magistrate, 1st Class, Alipore on 11. 04. 25 that I am a citizen of India by Birth. The actual and correct name and date of birth is SHEETAL DERASARI and D.O. B. 06/08/1984, which are reflected in my PAN Card, Aadhar Card, Voter ID. Card as well as in Bank Documents of axis Bank vide A/C. No.918010082146097.
3. That my correct date of birth is : 06.08.1984 which appeared in my said Voter card and in all my documents, and previously my date of birth was 01.07.1982 by Mistake, which is already changed. Therefore, SHEETAL DERASAHI & SMT. SITA THAPA is one and same identical person relating to myself only.

पूर्व रेलवे

बोली संख्याः जीईएम/2025/बी/6133577, दिनांक 11.04.2025; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, बोगी निर्माण कारखाना, पूर्व रेलवे, बजबज द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: बोली बंद होने की तारीख/समयः 02.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। बोली खुलने की तारीख/समयः 02.05.2025 को अपराह्न 2.30 बजे। बोली प्रस्ताव की वैधता (अंतिम तारीख से): 120 दिन। मंत्रालय/राज्य का नामः रेल मंत्रालय। विभाग का नामः भारतीय रेल। संगठन का नामः पूर्व रेलवे, कार्यालय का नामः कैरेज एवं वैगन वर्कशॉप, लिलुआ। क्रेता का ईमेलः kumar.ashwani 78@gov.in मद की श्रेणीः सामग्री परिवहन सेवा-प्रति एमटी प्रति किमी आधारित सेवा-25 ट्रिप प्रति एमटी प्रति किमी आधारित सेवा के तहत 400 फ्रेमों भारी कंसाइमेंट की फ्लैटबेड ट्रक.. में परिवहन के लिए बोगी निर्माण कारखाना, बजबज से एमसीएफ रायबरेली तक रेलवे सामग्रियों का परिवहन। अनुबंध की अवधिः 2 वर्ष। बोलीदाता का न्यूनतम औसत वार्षिक कारोबार (3 वर्षों के लिए): रुपये 16 लाख। समान/समतुल्य सेवा के लिए आवश्यक पूर्ववर्ती अनुभव का वर्षः 1 वर्ष। समतुल्य सेवाओं के लिए आवश्यक पूर्ववर्ती अनुभवः हाँ। अनुभव के वर्षों तथा कारोबार के लिए एमएसई छूटः नहीं। अनुभव के वर्षों तथा कारोबार के लिए स्टार्टअप छूटः नहीं। विक्रेता से आवश्यक दस्तावेजः अनुभव के मानदंड, बोलीदाता का कारोबार, प्रमाणपत्र (एटीसी में अनुरोध किया गया)। *कोई भी बोलीदाता अगर अनुभव/कारोबार के मानदंड से रियायत चाहते हैं, तो क्रेता द्वारा मूल्यांकन हेतु रियायत के लिए अपनी पात्रता प्रमाणित करने हेतु समर्थित दस्तावेज अपलोड करना होगा। क्या आप बोलीदाताओं द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेज बोली में भाग लेने वाले सभी बोलीदाताओं को प्रदर्शित करना चाहते हैं?/: हाँ। सक्रिय आरए के लिए बोलीः नहीं। बोली का प्रकारः एकल पैकेट बोली। तकनीकी मूल्यांकन के दौरान तकनीकी स्पष्टीकरण हेतु अनुमत समयः 2 दिन। अनुमानित बोली मूल्यः रु. 31,05,890। मूल्यांकन पद्धतिः कुल मूल्य वार मूल्यांकन। अपेक्षित मूल्य विभाजन के उल्लेख के साथ वित्तीय दस्तावेजः हाँ। विवाचन खंडः नहीं। मध्यस्थता खंडः नहीं। • ईएमडी विवरणः एडवाईजरी बैंकः भारतीय स्टेट बैंक। ईएमडी राशिः रु. 62,120। • ईपीबीजी विवरणः एडवाईजरी बैंकः भारतीय स्टेट बैंक। ईपीबीजी प्रतिशत (%): 5.00; ईपीबीजी की अपेक्षित अवधि (महीने): 26.
(MISC-19/2025-26)

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शुक्रवार | 18 अप्रैल 2025

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है. पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है. ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है. इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है. राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं. भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है. आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है. दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है. दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता. पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है. पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से भी जूझ रहा है. बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं. अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं. बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए. दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है. जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती. फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है. विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है. जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है. ये खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं. उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है. जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी. हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है. लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है. इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा. समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए. साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए. उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा. इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए. साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिये सख्त दंड का भी प्रावधान किया जाना जरूरी है. बिजली चोरी में लिप्त लोगों की पहचान होने पर उन्हें दंडित किया जाना जरूरी है. साथ ही ऐसे लोगों को मुफ्त बिजली पाने की योजना का लाभ उठाने के अधिकार से भी वंचित किया जाना चाहिए. दरअसल, सख्त व पारदर्शी दंड व्यवस्था ही चोरी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगा सकती है. पीएसपीसीएल को अधिक नुकसान नहीं उठाना चाहिए, जबकि पंजाब पहले ही कर्ज का बोझ उठाने वाले राज्यों में दूसरे स्थान पर है.

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं?

– कमलेश पाण्डेय

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में जो हिंसा हुई वह सुनियोजित थी. यह अब तक की केन्द्रीय एजेंसियों की तफ्तीश से काफी कुछ साफ होता जा रहा है. लेकिन सवाल है कि इस सुनियोजित हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? राज्य प्रशासन की जवाबदेही क्यों नहीं सुनिश्चित की गई? उसकी लापरवाही पर संसद और जिम्मेदार संस्थाएं कब तक एक्शन लेंगी, क्योंकि विदेशी-देशी सांठगांठ से हुई हिंसा में हिंदुओं के जानमाल की क्षति हुई है. ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा. इसलिए उद्दंड और बेलगाम राजनीति की लगाम कौन कसेगा, यह अब यक्ष प्रश्न है? जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी. लगभग पिछले तीन महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है. प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं. लेकिन वक्फ संशोधन कानून ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया. खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक मुर्शिदाबाद की हिंसा में विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है. जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) जैसे समूह बांग्लादेश बॉर्डर से सटे इलाकों और सुंदरबन डेल्टा में हथियारों की आपूर्ति कर रहे हैं. ये आतंकी संगठन ट्रेनिंग देने के साथ ही प्रोपेगेंडा भी फैला रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय संगठन अशांति को बढ़ाने के लिए वैश्विक मीडिया का उपयोग कर रहे हैं. वे दहशत फैलाने के लिए अफवाह फैलाने में मदद कर रहे हैं. यह उसी तरह है जैसे सीएए विरोध प्रदर्शनों के दौरान एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता छीनने के रूप में प्रचारित किया गया था. विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों को भी नायक के रूप में महिमामंडित किया जा रहा है. दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे खुफिया एजेंसियों ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है. इसके दृष्टिगत देशभर में लगातार सतर्कता बरती जा रही है. यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है. केंद्र सरकार के मुताबिक वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के महज अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है. इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है. फिर भी पहले मुस्लिम आक्रांताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाही ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को कानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया. कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए. इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया. इसके अलावा कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई. इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्प्रदायिक विभाजन तक की नौबत आई. इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए. कथित राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए. मसलन बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका और अन्य समाज के जिम्मेदार स्तंभों से जुड़े लोग मुगलिया योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है. एक ओर देश के असमानताएं आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भू-भाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं. और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है. हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं. वहीं इसी की आड़ में कुछ अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के हो नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं. इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालात पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं. लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भी शायद यह समझ गई हैं कि इस तरह बहुत दिनों तक शासन नहीं किया जा सकता. यही कारण है कि छोटे कोलकाता के कालीघाट के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि धर्म के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए. धर्म का मतलब है भक्ति, स्नेह, मानवता, शांति, सौहार्द, संस्कृति, सद्भाव और एकता है. ईसाने से प्यार करना किसी भी धर्म की सर्वोच्च अभिव्यक्तियों में से एक है. हम अकेले पैदा होते हैं और अकेले मरते हैं, तो लड़ाई क्यों? अगर हम लोगों से प्यार करते हैं तो हम सब कुछ जीत सकते हैं. लेकिन अगर हम खुद को अलग-थलग कर लेंगे तो हम किसी को भी नहीं जीत पाएंगे. अगर किसी पर हमला होता है, चाहे वह उपेक्षित हो, उत्पीड़ित हो, वंचित हो, हाशिए पर हो या किसी भी धर्म से हो - हम सभी साथ खड़े हैं. *(लेखक, स्वतंत्र स्तंभकार हैं)*

टैरिफ के मुकाबले को चीनी आर्थिक दीवार

– पुष्परंजन

अमेरिका से 'फुल स्केल' टैरिफ युद्ध छिड़ने से पहले, क्या शी अपने गिर्द एक 'आर्थिक ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना' का सृजन आरम्भ कर चुके हैं? लेकिन इस टैरिफ वॉर में ग़लत-सही सूचनाओं का भी युद्ध छिड़ा हुआ है. चीन, 2025 की पहली तिमाही में 5.4 फीसद जीडीपी की बढ़ोतरी का दावा ठोक रहा है.

टैरिफ वॉर के बावजूद चीन अपने जीडीपी में 5.4 फीसद की बढ़ोतरी, पहली तिमाही में कर लेता है, तो यह बड़ी बात है. 'नेशनल ब्यूरो ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स' ने बुधवार को तब डाटा जारी किया, जब राष्ट्रपति शी, तीन पूर्वी एशियाई देशों की यात्रा के अंतिम चरण में थे. शी सोमवार को वियतनाम और मंगल को मलेशिया पहुंचे. मंगलवार शाम को राजधानी कुआलालंपुर में शी का ज़ोरदार स्वागत हुआ. यह 2013 के बाद से उनकी पहली मलेशिया यात्रा है. वे वियतनाम से यहां आए हैं. उन्होंने हनोई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर रेल विकास तक, दर्जनों व्यापार सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे. शी ने आखिर किन वजहों से तीन देशों में जाना तय किया? दरअसल, 9 अप्रैल को रोक लगाने से पहले, ट्रम्प ने कई निर्यात-उन्मुख दक्षिण-पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे अधिक 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए. उन्होंने कंबोडिया पर 49 प्रतिशत के टैरिफ लगाए, जबकि वियतनाम और मलेशिया पर क्रमशः 46 प्रतिशत और 24 प्रतिशत शुल्क लगाया गया. व्यापार युद्ध और तेज़ हो गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है. वियतनाम अमेरिका द्वारा अधिकतम 46 प्रतिशत टैरिफ को लेकर गुस्से में है. सोमवार को वियतनामी अख़बार 'नहान डैन' में प्रकाशित एक लेख में, शी ने संरक्षणवाद की अपनी आलोचना दोहराते हुए कहा कि चीन और वियतनाम को मिलकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और स्थिर आपूर्ति शृंखलाओं की रक्षा करनी चाहिए. यात्रा से पहले, शी ने तीन मलेशियाई समाचार आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक लेख में चीन और मलेशिया के बीच 'बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग की गति को बढ़ाने' का संकल्प लिया. टोरंटो विश्वविद्यालय में चीनी राजनीति की प्रोफेसर लिनेट ओंग ने कहा, 'मैं इसे व्यापार युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के शी के प्रयास के रूप में देखती हूं.' 10-सदस्यीय 'आसियान' के कई देश अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने से नाखुश हैं. वाशिंगटन ने मलेशिया पर 24 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाया, जिसे मलेशियाई अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया. मलेशिया, जो अपनी गुटनिरपेक्ष स्थिति का दावा करता है, सौदे पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है. कई दक्षिण-पूर्व एशियाई सरकारें अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखने के लिए ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत करने की उम्मीद करती हैं. वियतनाम ने भी अधिक अमेरिकी सामान खरीदने, और अमेरिकी आयातों पर शुल्क में कटौती करने की पेशकश की है. कंबोडिया ने भी यू.एस. आयात पर टैरिफ को घटाकर पांच प्रतिशत करने की पेशकश की है. डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचाये रखने का आज 15वां दिन है. ट्रंप ने 2 अप्रैल को वैश्विक बाजारों में अराजकता फैला दी, जिसे उन्होंने 'मुक्ति दिवस' कहा. एक दिन पहले वो ऐसा करते, तो बिना कहे लोग मान लेते कि ट्रंप, 'मूर्ख दिवस' मना रहे हैं. इस लगाए गए 25 फीसद टैरिफ को बरकरार रखा. फिर उन्होंने चीन को निशाने पर लिया. जिससे बाज़ार में अराजकता फैल गई. क्या इसे 'टैरिफ वॉर' कहें, या कि 'टैरिफ टेररिज़्म'? ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है. कई निवेशक और बाजार पर्यवेक्षक वैश्विक आर्थिक मंदी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं. 16 अप्रैल को, प्रेसिडेंट शी इस्ताना नेगरा में मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर से मिले. इसके बाद प्रधानमंत्री अनवर के साथ दोपहर में पुत्रजया में सेरी परदाना कॉम्प्लेक्स (प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) में बैठक हुई, जहां दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई सहमति ज्ञापनों और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए. आज चीन, कंबोडिया का सबसे बड़ा निवेशक, व्यापारिक साझेदार और डोनर है. इसके विपरीत, अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों ने टैरिफ वॉर में ग़लत-सही सूचनाओं का भी युद्ध छिड़ा हुआ है. चीन, 2025 की पहली तिमाही में 5.4 फीसद जीडीपी की बढ़ोतरी का दावा ठोक रहा है. इसके उलट, अमेरिका परस्त आर्थिक विश्लेषक, गोल्डमैन सैक्स का मानना है, कि इस साल शी की अर्थव्यवस्था सिर्फ़ 4 फीसदी बढ़ेगी. वॉल स्ट्रीट निवेश बैंक को चिंता है, कि शी की अब तक की कार्रवाइयां 'टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव को पूरी तरह से संतुलित करने' के लिए पर्याप्त नहीं हैं. कम से कम, यूबीएस के अर्थशास्त्री ताओ वांग का मानना है, कि चीन इस साल सिर्फ़ 3.4 फीसद, और 2026 में 3 प्रतिशत बढ़ेगा, क्योंकि ट्रंप के टैरिफ, निर्यात को रोक रहे हैं. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन अपने देश में इसका दुष्प्रभाव देख रहे हैं. जॉन बोल्टन के अनुसार, 'व्यापार के मामले में चीन को आड़े हाथों लेने के ट्रंप के कदम उलटे पड़ सकते हैं, क्योंकि उनके व्यापक

तथाकथित 'मुक्ति दिवस' की अर्थशास्त्रियों ने जमकर आलोचना की थी, और इसे निरर्थक बताया था. आयातित वस्तुओं पर वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया, जबकि कई देशों को उनके साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के आधार पर बहुत अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा. एक ऐसा कदम, जो अवांछित और हाहाकारी है. कुछ ही दिनों में बाजार में उथल-पुथल, खरबों डॉलर की संपत्ति का सफाया और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल देखा गया, ट्रम्प ने बड़े टैरिफ पर 90-दिन की रोक की घोषणा की, लेकिन वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगियों सहित सभी देशों पर 10 प्रतिशत के उपाय को बरकरार रखा. मगर, ट्रम्प ने मैक्सिको और कनाडा को बख्शा नहीं. इन पर कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए कम्बोडिया पर प्रतिबंध लगाए हैं, और फंडिंग में कटौती की है, जिससे नोम पेन्ह, पेइचिंग की बांहों में और भी अधिक चला गया है. कंबोडिया में चीनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' मज़बूती से आगे बढ़ रहा है, इस कारण चीनी सहायता और निवेश पर नोम पेन्ह की निर्भरता बढ़ी है. वर्ष 1953 में कंबोडिया को फ्रांस से स्वतंत्रता मिलने के बाद द्विपक्षीय संबंध मधुर हुए. थाईलैंड और दक्षिण वियतनाम के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश में, कंबोडिया ने चीन के साथ मजबूत संबंध बनाए. अमेरिका से 'फुल स्केल' टैरिफ युद्ध छिड़ने से पहले, क्या शी अपने गिर्द एक 'आर्थिक ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना' का सृजन आरम्भ कर चुके हैं? लेकिन इस वैश्विक टैरिफ, सहयोगियों के साथ-साथ प्रतिद्वंद्वियों को भी प्रभावित करेंगे.' अप्रैल में अमेरिकी उपभोक्ता सेंटीमेंट्स में वैसी गिरावट दिखी, जो कोविड महामारी के बाद दूसरी सबसे गहरी गिरावट है. करीब 50.8 प्रतिशत. अमेरिका में नौकरी छूटने, और बढ़ती मुद्रास्फीति ने लोगों की चिंताओं को बढ़ावा दिया है. लोग, सोच-समझकर सामान खरीद रहे हैं. अच्छे दिन जाने, और बुरे दिन आने के भय से बचत कर रहे हैं. अभी भारत में वैसी स्थिति आये, उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी, और उनके रणनीतिकारों को सतर्क हो जाना चाहिए. शी की यात्रा का मक़सद, उपभोक्तावाद को बचाये रखना है, जिस पर चीनी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है. ***(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 18 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 18 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह मंगल है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप आजीवन मंगल ग्रह से प्रभावित रहेंगे. आपका जीवन उलझनों व उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. लेकिन आप हर परिस्थितियों में सामान्य रहेंगे. आप अपनी मुसीबतों को लेकर किसी के समक्ष झुकना पसन्द नहीं करेंगे यह आपके लिए असहनीय होगा. लेकिन आप हर समस्याओं के दौर से गुजर कर ही सफलता प्राप्त कर सकेंगे. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप अपने कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान पसन्द नहीं करेंगे. आप क्रोधी स्वभाव के होंगे. आप उच्च आदर्शों के लिए कार्यशील रहेंगे. आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा. सामाजिक कृत्यों में भी आपकी रूचि रहेगी. आप संगीत-कला प्रेमी होंगे. तड़क-भड़क व बाहरी आडम्बरों में आप ज्यादा रूचि रखेंगे. आपका वैवाहिक जीवन अनुकूल नहीं कहा जा सकता. कठिनाइयों के दौर में मार्ग प्रशस्त होगा. साथ ही साथ नवग्रह स्तोत्र का पाठ नियमित रूप से करने पर तथा यन्त्र धारण करना शुभ रहेगा. मंगलवार का व्रत रखें. सदाचार का पालन करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ अं अंगारकाय नम:	मास	:	फरवरी, जून एवं नवम्बर
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	:	लाल एवं नारंगी
दिनांक	:	9, 18, 27	जन्मरत्न	:	मूंगा
अंक	:	1, 3, 6	उपरत्न	:	लाल अकीक

यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेष : आज दिन 8/21 बजे तक अशुभ, विचारों में उग्रता, लापरवाही से हानि, स्वजनों से अनबन, शेष समय में कार्य व्यवसाय में लाभ, प्रतियोगिता में सफलता.

वृषभ : आज दिन 8/21 बजे तक ग्रहस्थिति बेहतर, योजना पर कार्यारम्भ, आपसी मतभेद कम, शेष समय में महत्वपूर्ण उपलब्धि में विलम्ब, उलझन से तनाव, धन हानि.

मिथुन: वांछित प्रगति का प्रयास सफल, धन सम्पत्ति विषयक मसला हल, आत्मीयजनों से सहयोग, कर्ज की अदायगी समय पर, विरोधी परास्त, वाहन से सुख.

कर्क : परिस्थितियों में सुधार, धर्म अध्यात्म के प्रति आस्था जागृत, पारिवारिक सौहार्द, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम, जनकल्याण की ओर रुझान, राजनीतिक लाभ.

सिंह : आज दिन 8/21 बजे तक प्रतिकूलता, सोचे हुए कार्य अपूर्ण, शत्रु प्रभावी, भाग्य में न्यूनता, यात्रा कष्टकर, शेष समय में आशाएं फलीभूत, व्यावसायिक लाभ.

कन्या: आज दिन 8/21 बजे तक ग्रहस्थिति अनुकूल, कठिनाइयों का निराकरण, नवीन उपलब्धि, शेष समय में स्वास्थ्य विपरीत, कार्य क्षमता में कमी की अनुभूति.

तुला: अधूरी योजना कार्यान्वित, यश मान प्रतिष्ठापरक कृत्य सम्पन्न, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, धनागम.

वृश्चिक : चिरवांछित कार्यों में सफलता, विशिष्ट जनों से सम्पर्क का लाभ, परिजनों से अपेक्षित सहयोग, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति.

धनु : आज दिन 8/21 बजे तक दिनमान विपरीत, कार्य व्यापार में निराशा, व्यय की अधिकता अनावश्यक भ्रमण, शेष समय में जटिल समस्याओं का समाधान.

मकर: आज दिन 8/21 बजे तक अकल्पित विचारित कार्यों में प्रगति, नवसम्पर्क उपयोगी, मन प्रसन्न, शेष समय में असफलता, नवयोजना अधूरी, हानि संभव.

कुम्भ: किसी योजना की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील, स्वविवेक से लिया गया निर्णय व किया गया कार्य लाभदायक, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, संभावित यात्रा.

मीन: कार्य व्यवसाय अर्थ पक्ष में सफलता का मार्ग प्रशस्त, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त, सुसंदेश से परिवार में हर्ष एवं उल्लासमय वातावरण.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

स्वस्थ, सुखी और अच्छे जीवन के मूलमंत्र!

–सुनील कुमार महला

कहते हैं कि जीवन-मरण ऊपर वाले (ईश्वर) के हाथ है. हाल ही में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में राजस्थान के कोटा से एक खबर पढ़ने को मिली. दरअसल, राजस्थान के पाली का रहने वाला एक छात्र नीट की तैयारी कर रहा था और चाय पीते-पीते ही इस कोचिंग छात्र की मौत हो गई. बताया जा रहा है और दो साल पहले ही इस छात्र का हार्ट का ऑपरेशन हुआ था. इस खबर ने इस लेखक को विचलित किया और यह आलेख लिख रहा हूं. यह पहली खबर नहीं है जब हमें अचानक से किसी की मृत्यु की खबरें मिलतीं हैं. आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर, यू-ट्यूब, इंटरनेट, मीडिया में ऐसी खबरें लगभग लगभग आए दिन पढ़ने को मिलतीं रहतीं हैं कि फलां फलां व्यक्ति डांस करते, गाड़ी चलाते वक्त, स्कूल में पढ़ाते वक्त, यहां तक योग व कोई एक्सरसाइज करते वक्त मौत का शिकार हो गया. आखिर ऐसा क्या है जो आजकल अचानक ऐसी खबरें हमें पढ़ने-सुनने को मिल रही हैं, क्या यह सूचना क्रांति के विकास के कारण है कि हमें आज तेजी से ऐसी खबरें मिल रही हैं, क्या पहले भी ऐसा होता था, लेकिन हमें ऐसी खबरों के बारे में पता ही नहीं चल पाता था, क्यों कि मीडिया, सूचना क्रांति इस कदर विकास के पायदानों पर नहीं थी.आज कोई ट्रेडमिल पर एक्सरसाइज करते हुए मृत्यु को प्राप्त हो रहा है तो कोई चक्कर खाकर कहीं गिर जा रहा है और मृत्यु को प्राप्त हो रहा है? आखिर इन सबके पीछे कारण क्या हैं ? क्या हम इसके लिए बढ़ते प्रदूषण, खान-पान या हमारी जीवनशैली को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं ? यह सब सोचनीय है. कारण चाहे भी जो भी रहें हों लेकिन इतना जरूर तय है कि हमारे खान-पान, जीवनशैली और प्रदूषण के स्तर में तो जरूर परिवर्तन आए हैं. हालांकि, जीवन मृत्यु तो उस परमपिता परमेश्वर के हाथ है, लेकिन हम थोड़ी एहतियात तो अपने स्वास्थ्य को लेकर बरत ही सकते हैं. विज्ञान और तकनीक ने निश्चित रूप से आज बहुत तरक्की की है और आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में जीवन जी रहे हैं लेकिन जीवन मृत्यु के रहस्य तो हमेशा रहस्य ही रहेंगे. बहरहाल, यह लेखक एक फेसबुक पोस्ट को पढ़ रहा था. यह फेसबुक पोस्ट कहीं न कहीं हमारे स्वास्थ्य की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करती है. मसलन, आज हमें अपनी जीवनशैली में कुछ चीजों की ओर ध्यान देना चाहिए. जैसे कि आज हमें अपने खान-पान की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए. हमें अपने भोजन से विशेषकर नमक, चीनी, ब्लीच किया हुआ आटा, डेयरी उत्पाद,प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ, जंक व फास्ट फूड आदि के उपयोग को कम करना चाहिए और बिल्कुल सादा भोजन करना चाहिए.हरी सब्जियाँ, दालें, फलियाँ,मेवे, कोल्ड-प्रेस्ड तेल (जैतून, नारियल, आदि) तथा फल आदि हमारे जरूरी आहार होने चाहिए. आज की जीवनशैली में हम हरदम भागम-भाग जिंदगी जीते हैं. न प्रकृति का सानिध्य और न ही अपनो संग हंसना-खेलना.वर्चुअल वर्ल्ड की दुनिया में हम रच-बस से चुके हैं. हम वास्तविक दुनिया से परे हैं. आज प्रतिस्पर्धा का दौर है, हर तरफ कड़ी प्रतिस्पर्धा है, हम धन की ओर, पदार्थ की ओर निरंतर भाग रहे हैं, न हमारे पास स्वयं के लिए ही समय बचा है और न ही दूसरों के लिए. आज हम मुस्कुराते भी हैं तो हमारी मुस्कुराहट ऊपरी होती है. हम मुस्कुराहट का दिखावा सा करते नजर आते हैं. हम भीतर से, अपने अंतर्मन से कभी नहीं मुस्कुराते. हम खुश हो सकें, हमेशा दिल खोलकर बात कर सकें, हमारा मन हमारी आत्मा संकुचित न हो, हम सभी प्रेम और प्यार से रह सकें, हममें हमेशा खुशी की चमक-दमक हो. सच तो यह है कि हमारी मुस्कराहट ऊपर की बिल्कुल भी न हो, यह भीतर से आनी चाहिए. ऊपर से तो हम अक्सर मुस्कराते ही हैं, खुशी का आविर्भाव हमेशा आंतरिक होना चाहिए. हमें अपने जीवन में तीन चीजें भूलने की कोशिश करनी चाहिए. मसलन, हमारी उम्र, हमारा अतीत और हमारी शिकायतें. हमारे में जिजीविषा का गुण होना चाहिए. जिजीविषा मतलब जीवन जीने के प्रति ललक, उत्साह.जीने की प्रबल और सकारात्मक इच्छा ही जिजीविषा है. आज हम तनाव और अवसाद में, नकारात्मक विचारों में खोये खोये से रहते हैं. न जाने किस बात की चिंता हमें होती है ? जिजीविषा जीवन के प्रति हमारे गहरे जुनून, चुनौतियों के बावजूद जीने की तीव्र इच्छा को दर्शाती है.इस संदर्भ में हम जापानी लोगों से सीख सकते हैं. वास्तव में जापानी लोगों की लंबी उम्र का रहस्य उनकी सक्रिय जीवनशैली, स्वस्थ आहार, और समुदाय के प्रति जुड़ाव में है. वे लोग अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों को शामिल करते हैं-जैसे, पैदल चलना, साइकिल चलाना, और पारंपरिक नृत्य वगैरह-वगैरह. उपलब्ध जानकारी के अनुसार जापानी लोग अपनी डाइट में सी फूड, सोयाबीन, और ग्रीन टी को शामिल करते हैं. सी फूड में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है.सोयाबीन में पोषक तत्व होते हैं, जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं. ग्रीन टी में भी कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं. इतना ही नहीं, हमें अपने जीवन में कुछ ज़रूरी चीजों को संजोकर रखना चाहिए. मसलन, अपना परिवार, अपने मित्र, अपने सकारात्मक विचार और स्वच्छ और सुखद घर. संस्कृत में मित्रों के बारे में क्या खूब कहा गया है-'पापान्निवारयति योजयते हिताय, गुह्यं निगूहति गुणान प्रकटीकरोति, आपद्गतं च न जहाति ददाति काले, सन्मित्रंलक्षणमिदं प्रवदन्ति विज्ञान:.' यह ठीक है कि जीवन-मरण तो ऊपर वाले के हाथ हैं, लेकिन हमें अपने जीवन में तीन आदतें जरूर अपनानी चाहिए. मसलन, हमें हमेशा खुलकर मुस्कुराना/ हँसना चाहिए. हमें अपनी गति से नियमित शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए. टहलना चाहिए. अपने वजन को नियंत्रित रखना चाहिए. प्रकृति के सानिध्य में जीवन बिताने का प्रयास करना चाहिए. खुला आसमान, बहते झरने, कल-कल करती नदियां, पक्षियों की कलरव, प्राकृतिक हरितिमा हमें अभूतपूर्व खुशियां प्रदान करतीं हैं. इतना ही नहीं, हमें छह आवश्यक जीवनशैली आदतों को भी अपनाना चाहिए. मसलन, प्यास लगने का इंतजार नहीं करना चाहिए, और पानी पीते रहना चाहिए. विज्ञान भी यह बात मानता है कि एक वयस्क व्यक्ति के शरीर में पानी का प्रतिशत करीब 60% होता है, इसलिए हाइड्रेटेड रहना बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक है. अक्सर हम थकान होने का इंतजार करते हैं, और समय पर आराम नहीं करते हैं. आराम बहुत आवश्यक है. कम से छह से आठ घंटे की नींद स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है. नियमित चिकित्सा जांच भी जरूरी है. हमें यह चाहिए कि हम चमत्कार की प्रतीक्षा न करें, लेकिन ईश्वर पर विश्वास रखें, क्यों कि इस सृष्टि को कोई न कोई शक्ति ही चलायमान रखें हुए है. हमें यह चाहिए कि हम कभी भी किन्हीं भी परिस्थितियों में खुद पर विश्वास कभी न खोएँ. जीवन फूलों की सेज नहीं है, यहां हर पल संघर्ष हैं, परेशानियां हैं, दिक्कतें हैं, लेकिन संघर्ष ही तो असली जीवन है. अंत में यही कहूंगा कि हम जीवन में हरदम,हरपल सकारात्मक रहें और हमेशा बेहतर भविष्य की आशा रखें. सफल, स्वस्थ व अच्छे जीवन का यही मूलमंत्र है.

(फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार)

न्यूज कॉर्नर

बर्फ़ फैक्ट्री में करंट लगने से युवक की मौत

बिजनौर: चांदपुर में बर्फ लेने गए 16 वर्षीय युवक शिवम की करंट लगने से मौत हो गई . शिवम के परिजनों ने किसी प्रकार की कार्रवाई से इनकार किया है. थाना प्रभारी संजय तोमर ने बताया कि परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है . थाना प्रभारी के मुताबिक, मोहल्ला सराय रफी निवासी राकेश सैनी का पुत्र शिवम बर्फ फैक्ट्री से बर्फ लेने गया था जहां उसकी करंट लगने से मौत हो गई. शिवम को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया. शिवम की मौत की पुष्टि होने पर परिवार में कोहराम मच गया. शिवम की बहन काजल ने बताया कि वह सवेरे बर्फ लेने के लिए फैक्ट्री में रोज जाता था. आज भी गया था, जहां वह करंट की चपेट में आ गया.

सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से टकराई बाइक, दो की मौत

कानपुर: शिवराजपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसी. हादसे में बाइक सवार दोस्तों की मौत हो गई. शिवराजपुर थाना प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि कानपुर से दो बाइक सवार अपने घर कन्नौज जा रहे थे. जैसे ही दोनों बाइक से कानपुर-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमनी निवादा गांव के पास से गुजर रहे थे तभी सड़क पर खड़े एक डंपर में पीछे से जा घुसे. दोनों ही बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र निवासी शैलेंद्र (25) और निखिल यादव (27) के रूप में हुई है. मृतक आपस ओं दोस्त थे. मृतकों के पास से मिले मोबाइल के जरिए परिजनों को सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. परिजनों के आने और तहरीर मिलने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी.

ट्रक का टायर फटा, लोहे का छल्ला युवक की गर्दन में घुसने से मौत

मीरजापुर: अदलहाट थाना क्षेत्र के फत्तेपुर टोल प्लाजा के पास बुधवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ. तेज रफ्तार ट्रक का टायर अचानक फट गया. टायर के फटते ही रिम से निकला लोहे का छल्ला हवा में उछलकर सामने से जा रहे बाइक सवार की गर्दन में घुस गया. छल्ले की तेज धार ने युवक का गला मौके पर ही काट डाला. उसकी पत्नी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई. मृतक की पहचान बड़भुईली गांव निवासी परमेश्वर सिंह(45) के रूप में हुई है. वह अपनी पत्नी को चंदौली जिले के डोमरी गांव से लेकर लौट रहे थे. घर में भतीजी की शादी और द्वारचार की तैयारियां चल रही थीं. जैसे ही वह बुधवार रात करीब आठ बजे फत्तेपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचे, सोनभद्र की ओर से आ रहे ट्रक का अगला टायर ब्लास्ट हो गया. ब्लास्ट इतना जोरदार था कि रिम में लगा लोहे का छल्ला प्रेशर के साथ छिटक कर हवा में उड़ गया और दूसरी पटरी पर चल रहे परमेश्वर की गर्दन में जा घुसा. तेज रफ्तार में घूमते छल्ले ने गर्दन को चीर डाला और परमेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई. पीछे बैठी उनकी पत्नी आरती देवी सड़क पर गिर पड़ीं और घायल हो गईं. आसपास के लोग चीख-पुकार सुनकर दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. शादी की खुशियां मातम में बदल गईं.

दस हज़ार की घूस लेते दारोग़ा गिरफ्तार

रायबरेली: लखनऊ जोन की एंटी करप्शन टीम ने दारोगा को दस हजार रुपये की घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया. दारोगा सलोन कोतवाली क्षेत्र के ख़्वाजापुर गांव में गुरुवार को विवेचना के नाम पर पैसा लेने वादी के घर पहुंचा था. बताया जा रहा है कि दारोगा द्वारा किसी मारपीट के मामले की विवेचना की जा रही थी, जिसमें गत 20 मार्च को फाइनल रिपोर्ट भी लग चुकी है, लेकिन उसके बाद भी गुरुवार की दोपहर दारोगा घूस लेने वादी के गांव पहुंच गए. तभी घात लगाए बैठी एंटी करप्शन टीम ने दारोगा को दस हजार की घूस लेते हुए पकड़ लिया. एंटी करप्शन टीम द्वारा दारोगा को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है. क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि एंटी करप्शन टीम द्वारा घूस लेते हुए दारोगा को गिरफ्तार किया गया है. आगे की कार्रवाई टीम द्वारा की जा रही है.

कट्टा और कारतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण: जिला के आदापुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष धर्मवीर चौधरी के नेतृत्व में छापेमारी करते दो युवको को गिरफ्तार किया है,जिनके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस,दो मोबाइल बरामद किए गए हैं. पकड़े गए दोनो अभियुक्त कलवारी मंझरिया निवासी नवल यादव के पुत्र सोनू कुमार, जंग बहादुर यादव के पुत्र लालू यादव बताया गया है. थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनो के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है.

अग्निशमन विभाग ने ब्लॉक, आवासीय होटल और बिजली कार्यालय में किया मॉकड्रिल

अररिया: अग्निशमन विभाग की ओर से अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है. जिसके तहत गुरुवार को अग्निशमन विभाग की ओर से फारबिसगंज प्रखंड कार्यालय परिसर, बिजली विभाग कार्यालय और आवासीय होटल में अग्निकांड पर जागरूकता को लेकर कार्यक्रम करते हुए मॉकड्रिल कर आगजनी से बचाव को लेकर किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी दी. अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने आगजनी की घटना पर सावधानी और सजगता को लेकर मॉकड्रिल भी किया. कर्मचारियों ने आग लगने की घटना के दौरान बचाव को लेकर रेस्क्यू ड्रिल भी करके आमजनों को जानकारी दी. फारबिसगंज अग्निशमन पदाधिकारी दीनानाथ प्रसाद की अगुवाई में कर्मचारियों ने मॉकड्रिल और रेस्क्यू ड्रिल करके दिखाया. मॉकड्रिल के दौरान अग्निशमन पदाधिकारी के नेतृत्व में फायरमैन विवेक कुमार और गीता कुमारी ने विशेष रेस्क्यू कर सीढ़ी से आग से घिरे शख्स को सुरक्षित नीचे उतारा. वहीं अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत विद्युत कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में अग्निशमन पदाधिकारी के बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक भी की.बैठक में अग्निशमन पदाधिकारी दीनानाथ प्रसाद के अलावा कार्यपालक विद्युत अभियंता विभाष कुमार एवं सभी कनीय अभियंता मौजूद थे.वहीं अग्निशमन विभाग की ओर से फायरमैन विक्रम कुमार,विवेक कुमार गुप्ता,प्रिंस कुमार,मधु कुमारी,गीता कुमारी आदि मौजूद थे.

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस ने निकाला प्रतिरोध मार्च

भागलपुर: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विरूद्ध नेशनल हेराल्ड के एक झूठे मुकदमे में आरोप पत्र दाखिल किये जाने के विरोध में गुरुवार को भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा के निवास स्थान स्थित कांग्रेस के कैम्प कार्यालय से नगर कांग्रेस कमिटि के तत्वावधान में एक प्रतिरोध मार्च निकाला गया. इस प्रतिरोध मार्च में शामिल सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मोदी सरकार की तानाशाही नीति एवं विरोधियों को झूठे मुकदमें में फसाने की साजिश के विरूद्ध नारेबाजी करते हुए समाहरणालय पहुंचे जिला समाहरणालय के मुख्य द्वार तक गया. समाहरणालय के मुख्य द्वार के समीप नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह का पुतला दहन कर उनके साजिश के विरूद्ध अपना विरोध दर्ज किया. इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटि के प्रतिनिधि डॉ अभय आनन्द ने कहा कि मोदी सरकार जब-जब अपनी सत्ता के लिए खतरा महसूस करती है, तब-तब ईडी को हथियार बनाकर विरोधी दल के नेताओं को परेशान करती है. कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता अपने नेता के लिए कुर्बानी देने से पीछे नहीं हटेगा. इस झूठे मुकदमे में केन्द्र की सक्रियता आगामी विधान सभा चुनाव में एनडीए की डूबती नैया को बचाने का एक असफल प्रयास है. हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक हम मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ कर नहीं फेंक देंगे.

मासूम को सिगरेट पिलाने वाले डॉक्टर पर दर्ज हुई एफआईआर

जालौन: जालौन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद में 4 साल के मासूम बच्चे को सिगरेट पिलाने वाले डॉक्टर सुरेश चंद्रा के खिलाफ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज हो गया है. इसकी जानकारी जालौन के अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने दी. उन्होंने बताया कि एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें डॉक्टर सुरेश चंद्रा एक 4 साल के मासूम बच्चे को सिगरेट की कश दिला रहे थे. इस मामले में मासूम बच्चे के परिजनों ने सीएमओ से शिकायत की थी. सीएमओ डॉक्टर नरेंद्र देव शर्मा द्वारा विभागीय जांच कराई गई. जांच में मामला सही पाया गया जिसके बाद सीएमओ के आदेश पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी निरीक्षक ने कुठौंद थाने में इस मामले को लेकर प्रार्थना पत्र दिया. उसके बाद उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 6/24 सिगरेट और अन्य उत्पाद अधिनियम 2003, धारा 77 किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल संरक्षण) 2015 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है.

रीतलाल यादव कोर्ट में सरेंडर के बाद 14 दिन के न्यायिक हिरासत में पहुंचे बेऊर

इसी जेल में मौजूद हैं मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह

पटना: राजद नेता रीतलाल यादव ने गुरुवार को दानापुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया. कोर्ट में सरेंडर के बाद पटना पुलिस रीतलाल यादव को लेकर पटना के बेऊर जेल पहुंची है. राजद विधायक 14 दिन के न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल में रहेंगे. मालूम हो कि मोकामा के पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह भी बेऊर जेल में बंद है. मोकामा गोलीकांड के बाद अनंत सिंह ने बाढ़ कोर्ट में सरेंडर किया था. जिसके बाद उन्हें बेऊर जेल लाया गया था. अब रीतलाल यादव को भी बेऊर जेल लाया गया है. 14 दिनों के लिए राजद विधायक बेऊर जेल में रहेंगे. बता दें कि, 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नामजद आरोपी रीतलाल यादव ने गुरुवार को दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया. उनके साथ उनके समर्थक चीकू यादव, पिंकू यादव और श्रवण यादव ने भी कोर्ट में आत्मसर्पण किया. कुल चार लोगों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है. राजद विधायक ने कोर्ट में प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि प्रशान उनको जान से मारना चाहती है. रंगदारी और धमकी देने के मामले में नामजद किए गए राजद विधायक रीतलाल यादव ने खुद पर लगे आरोपों को साजिश करार दिया है. उन्होंने साफ कहा कि यह पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा है और उन्हें बेवजह फंसाया जा रहा है. विधायक ने कहा कि जिन प्लॉट्स को लेकर विवाद हुआ है, उनमें से प्लॉट नंबर 36, 37, 40, 41 और 48 पहले ही बिल्डरों गौरव कुमार और राकेश कुमार द्वारा खरीदे जा चुके हैं. विवाद की असली जड़ प्लॉट नंबर 38 और 39 हैं, जहां पहले से गरीब तबके के लोग रह रहे हैं और वे अपनी जमीन किसी को देना नहीं चाहते थे. रीतलाल यादव ने दावा किया कि गरीब लोगों को जमीन खाली करने के लिए महिला के जरिए धमकी, बाउंसरों की मदद से डराया गया और आपराधिक तत्वों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट तक की गई. उन्होंने कहा कि इस पूरी घटना के वीडियो सबूत भी मौजूद हैं, जो प्रशासन के मांगने पर उपलब्ध कराए जा सकते हैं. उन्होंने कहा कि उनके जान को खतरा है. उन्होंने कहा विरोधियों के द्वारा उनके ऊपर AK-47/AK-56 से हमला किया गया. प्रशासन ने विरोधियों से कहा कि रीतलाल यादव को जान से मार दो हम केस नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि, हमने अपनी जान के खतरे को देखते हुए प्राइवेट गार्ड को बढ़ाया तो पुलिस ने कहा कि आप प्राइवेट कार्ड नहीं रख सकते हैं. रीतलाल यादव ने कहा कि, जिस दिन मेरे घर पर छापेमारी हुई उस दिन प्रशासन बिल्डर के साथ मिलकर मुझे मारना चाह रही थी.

चॉक पर सुई से नक्काशी कर लिखी हनुमान चालीसा, छात्रा खुशी यादव का नाम 'इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज

वाराणसी: श्री हनुमत जयंती महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 102वें श्री संकट मोचन संगीत समारोह में देश-विदेश से आए संगीत एवं कला साधकों की प्रस्तुतियाँ श्रद्धालुओं और कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. इसी महोत्सव के दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दृश्य कला संकाय की चित्रकला विभाग की छात्रा खुशी यादव ने अपनी अनूठी कला से सभी का ध्यान आकर्षित किया. उन्होंने चॉक पर सुई की बारीक नक्काशी से हनुमान चालीसा उकेर कर एक अद्वितीय कृति प्रस्तुत की. इसे दर्शकों और कला प्रेमियों ने खूब सराहा. इस उत्कृष्ट कलाकृति के लिए खुशी यादव का नाम 'इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है. संकट मोचन मंदिर परिसर में इस कृति का अवलोकन करते हुए मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने छात्रा खुशी की प्रशंसा की. और 'इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की ओर से प्राप्त प्रमाणपत्र व मेडल भेंट कर खुशी को सम्मानित किया. महंत मिश्र ने इसे छह महीने की सतत मेहनत, समर्पण और भक्ति का परिणाम बताते हुए शिल्पकला का एक अद्वितीय उदाहरण कहा. इस कृति को बनाने में 4 2.5 फीट की लकड़ी, थर्माकोल, फेविकोल, इमल्शन पेंट्स, तथा डॉम्स डस्टलेस सफेद चॉक (150 नग, प्रत्येक 78 मिमी) का उपयोग किया गया. हर चॉक पर सुई की मदद से एक-एक अक्षर उकेरा गया. बाद में इसे अखबार, टिशू पेपर और नारंगी सूती कपड़े से सजाया गया तथा ऐक्रेलिक रंगों द्वारा जीवंत रूप प्रदान किया गया. इस अद्वितीय कार्य की निगरानी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में की गई, जबकि हैदराबाद की डॉ. पावनी एवं डॉ. स्वर्णा श्री ने इसे प्रमाणित किया. इसके बाद इस कला को 'इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में आधिकारिक मान्यता प्राप्त हुई.

कांग्रेस ने बाबासाहेब के योगदान को सदैव किया अपमानित : साध्वी निरंजन

जालौन: बाबा साहब की 134 जयंती पर जालौन के उरई में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेत्री साध्वी निरंजन ने शिरकत की. यहां पर उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर (बाबासाहेब) के योगदान को लगातार नकारा और उनके विचारों के साथ खिलवाड़ किया. भाजपा सरकार ने बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं, कांग्रेस ने इतिहास में हमेशा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने का प्रयास किया. उन्होंने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब सिर्फ एक जाति या व्यक्ति नहीं थे. वे भारत के संविधान के रचयिता और देश की आत्मा थे. लेकिन कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया और संविधान की प्रस्तावना को कमजोर करने का प्रयास किया. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने बाबा साहेब की विरासत को संजोते हुए दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों को मजबूती प्रदान की है. उन्होंने आपातकाल को याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने उस समय संविधान को ही निलंबित कर दिया था. मीडिया की आवाज दबाई गई, विपक्षियों को जेल में ठूंसा गया और लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रख दिया गया. आज की युवा पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि इमरजेंसी क्या थी और कैसे कांग्रेस ने तानाशाही रवैया अपनाया था. बंगाल के मुद्दे पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दिया है. बैरकपुर, जहांगीरपुर जैसे इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं. वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को राशन कार्ड और मतदान का अधिकार दिया जा रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है.

पटना में महागठबंधन घटक दलों की बैठक में एकजुटता मजबूत करने को लेकर बनी सहमति

तेजस्वी ने कहा– बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ने के लिए राजग के सभी नेता दोषी

पटना: राजधानी पटना में विधानसभा की रणनीति को अमलीजामा पहनाने के लिए बिहार महागठबंधन में शामिल घटक दलों की पहली बैठक गुरुवार शाम हो गई. करीब तीन घंटे चली इस बैठक में न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने और घटक दलों की एकजुटता मजबूत करने को लेकर सहमति बनी. महागठबंधन की बैठक राजद कार्यालय में दोपहर 2.15 बजे शुरू हुई. शाम करीब पांच बजे तक चली इस बैठक में तेजस्वी यादव ने सबसे आखिर में अपनी बात रखी. इसमें न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने, घटक दलों की एकजुटता मजबूत करने को लेकर सहमति बनी. सबसे पहले वीआईपी, वाम दलों और कांग्रेस ने अपनी बातें रखीं. फिर आखिर में राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने प्रस्ताव रखे. राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ने के लिए राजग के सभी नेता दोषी हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गृह विभाग है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे कोई सवाल नहीं पूछते हैं. तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मोदी ने बिहार को ठगने का काम किया. बिहार ने इतने सांसद दिए, फिर भी कुछ नहीं किया गया. महागठबंधन की बैठक में सभी घटक दलों के नेताओं ने बिहार के मुद्दों पर बात की. इसमें महिला, युवा, बुजुर्गों, पलायन, गरीबी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई. उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में कानून व्यवस्था खराब है. पुलिस की पिटाई हो रही है, महिलाओं से बर्बरता हो रही है. बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं रह गई है. महागठबंधन की बैठक में राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह शामिल नहीं हुए. इसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है. राजद कार्यालय में हो रही इस बैठक से जो तस्वीरें आईं, उसमें राजद की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, आलोक मेहता समेत अन्य नेता दिखे. मगर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नहीं मौजूद रहे. महागठबंधन की बैठक में कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और पार्टी के विधानमंडल दल के नेता शकील अहमद खान शामिल हुए.

महागठबंधन की बैठक पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय का तंज : केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने महागठबंधन की बैठक पर कहा कि तेजस्वी यादव और कांग्रेस में टकराहट है. राज्य की जनता ने राजग को स्वीकार किया है. उन्होंने दावा किया कि आगे भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे.

पशुपति पारस महागठबंधन की बैठक में नहीं हुए शामिल : रालोजपा के प्रमुख पशुपति पारस महागठबंधन की पटना में हो रही बैठक में शामिल नहीं हुए. दो दिन पहले ही उन्होंने राजग छोड़ने का फैसला लिया था. उनके महागठबंधन में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं. हालांकि वे फिलहाल इस बैठक में नहीं आए. हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री संतोष कुमार सुमन ने महागठबंधन की बैठक को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा है कि झूठ-फरेब और खोखले दावों के साथ बिहार की जनता को कैसे बरगलाया जाए, इस पर चर्चा होने वाली है. राजद के लोगों को मेरी नेक सलाह होगी कि अपने सहयोगी दलों से इस बात पर सहमति बनवा लें कि तेजस्वी यादव आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सदन में विरोधी दल के नेता होंगे. वैसे भी चुनाव के बाद राजद को अकेले उतनी सीटों पर जीत मिलने वाली नहीं कि तेजस्वी विपक्ष के नेता बन जाएं.

मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश पर विपक्ष की चुप्पी पर योगी ने कसा तंज

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है. मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं. गुरुवार को यहां एक मीडिया समूह की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुर्शिदाबाद की घटना का जिक्र करते मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष की चुप्पी पर तंज कसा. मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग, जिन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वही लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं. बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है. जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है, वो कभी यूपी के शहरों का होता थामुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है. पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे. लोग त्योहारों पर सशंकित रहते थे. अब यूपी में त्योहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं. उन्होंने कहा कि जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है, वही कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहर का हुआ करता था. मुख्यमंत्री ने पूर्वी यूपी में इंसेफलाइटिस जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इस बीमारी से 50 हजार बच्चों की मौत हुई. इनमें से ज्यादातर बच्चे अल्पसंख्यक समाज के होते थे, लेकिन किसी नेता के आंसू नहीं बहे. उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कभी इंसेफलाइटिस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि बच्चे वोट बैंक नहीं होते. मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वन डिस्ट्रक्ट वन माफिया होते थे, आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं. योजनाओं के पैसे लूटकर बनाए लंदन में होटलमुख्यमंत्री योगी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2016 में बिना किसी तैयारी के इसका शिलान्यास कर दिया गया. तब 15,200 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट अनियमितताओं से भरा था. मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रद्द कर दोबारा से प्रोजेक्ट को डिजाइन किया और पूरी परियोजना को केवल 11,800 करोड़ रुपये में पूरा किया, जिससे जनता के पैसे की लूट रोकी गई. योगी ने कहा कि यह वही पैसा है, जिसे लूटकर इंग्लैंड में इनके होटल बनते हैं. शिवाजी और महाराणा प्रताप को कोसने वाले औरंगजेब व जिन्ना के गुण गाते हैंमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर शिवाजी, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का अपमान करने और औरंगजेब, बाबर और जिन्ना जैसे राष्ट्रतोड़कों का महिमामंडन करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए प्रोपगंडा करते हैं और समाज में विद्वेष फैलाते हैं. हमें एक समृद्ध यूपी, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रनायकों का सम्मान करना बहुत जरूरी है. प्रधानमंत्री के पंचप्रण का एक संकल्प यह भी है कि राष्ट्रनायकों का हमें सम्मान करना है. यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर देश में सर्वश्रेष्ठमुख्यमंत्री योगी ने यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया, जिसमें हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, और मेट्रो शामिल हैं. उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यूपी की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ थी, जो अब 30 लाख करोड़ तक पहुंच रही है. प्रति व्यक्ति आय भी 46 हजार रुपये से बढ़कर 1.10 लाख रुपये से अधिक हो गई है, जल्द ही यह सवा लाख रुपये पहुंच जाएगी.

ब्लड डोनेशन रक्तदान शिविर का आयोजन

साहिबगंज: साहिबगंज सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल परिसर में गुरुवार को डॉक्टर सुमित कुमार,डॉक्टर खुशबू प्रिया के 16 वी0 वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सूर्या हेल्थ एजुकेशनल ट्रस्ट साहिबगंज एवं इंडिया रेड क्रॉस सोसाइटी,ओर एसोसिएशन ऑफ सर्जन इंडिया के द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया. सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रक्तदान स्टोरेज सेंटर गुरुवार को साहिबगंज सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया, डॉक्टर शकुंतला सहाय एवं डॉक्टर मुकेश कुमार के हाथों से उद्घाटन किया गया. वहीं सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल निर्देशक डॉक्टर विजय कुमार ने कहा कि रक्त दान शिविर में आये दिन रक्त की कमी काफी चिंता जनक रही. जिसके कारण मरीजों एवं उसके परिजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. यह रक्त अधिकोष एवं मरीजों के लिए काफी चिंता का विषय रहा, हालांकि आए दिन वक़्त वक़्त पर मरीजों की रक्तापूर्ति ब्लड डोनेशन के द्वारा हर संभव पूर्ण की जा सकती है. जानकारी के लिए बता दें कि ब्लड डोनेशन रक्तदाताओं में शामिल सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के पारा मेडिकल के छात्र छात्राएं, सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के कर्मचारी ने रक्तदान शिविर लगा कर कुल 14 सदस्यों ने रक्तदान किया. इस मौके पर मौजूद डॉक्टर शकुंतला सहाय, डॉक्टर सुमित कुमार,डॉक्टर खुशबू प्रिया, डॉक्टर अमरेश, डॉक्टर रेहान, डॉक्टर शांतनु, डॉक्टर प्रवीण कुमार, डॉक्टर राजेश कुमार साह, नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर अर्चना मिंज और अन्य कर्मचारी मौजूद थे.

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने उधवा प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया

साहिबगंज: भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने बुधवार की देर शाम को साहिबगंज जिले के उधवा प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया. उन्होंने प्रखंड क्षेत्र में चल रहे हैं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए. जानकारी के अनुसार भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव ने प्रखंड क्षेत्र के श्रीधर दियारा पंचायत के 9 नंबर कॉलोनी में आयोजित बंसी मेला में उपस्थित हुए. इसके बाद उत्तरी सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत नौघरिया में सार्वजनिक ठाकुरबारी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय लीला कीर्तन में उपस्थित होकर भगवान श्री कृष्णा की पूजा की रचना कर आशीर्वाद ली. इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की प्रवचन सुनने से आयू में वृद्धि होती है. प्रवचन सुनने से आयु घटना की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है. इसीलिए अधिक से अधिक लोगों को चल रहे हैं भगवान के प्रवचन को सुनना चाहिए. इससे सामाजिक जीवन में काफी असर करता है. मौके पर भाजपा नेता पंकज घोष, कृष्णा शर्मा, कमेटी के सचिव विश्वजीत मंडल, राहुल मंडल, संदीप घोष, अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सहित कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद थे.

समाहरणालय में उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व व आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आयोजित

साहिबगंज: गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ ग्रीष्म ऋतु व लू से बचाव हेतु पूर्व तैयारियों पर भी चर्चा की गई. वाणिज्य कर विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त राजस्व की जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि विभाग ने 73.59 प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की है. वहीं उत्पाद विभाग ने 2306.49 लाख रुपये की वसूली कर 93.48% लक्ष्य प्राप्त किया. परिवहन विभाग ने 2538.33 लाख रुपये के लक्ष्य का 85.34% राजस्व वसूली कर बेहतर प्रदर्शन किया. मोटर यान निरीक्षक विभाग ने 231.6 लाख की वसूली कर 60.80% लक्ष्य प्राप्त किया. नगर निकायों की बात करें तो साहिबगंज नगर परिषद ने 71.59% और राजमहल नगर पंचायत ने 108.85% राजस्व वसूली की है. मापतौल विभाग ने 66.59%, मत्स्य विभाग ने 97.67% और विद्युत बोर्ड ने 9600 लाख रुपये की वसूली कर 112.77% लक्ष्य को पार कर लिया है, जो सराहनीय रहा. मार्च माह में भू-सेस, भू-लगान , दाखिल खारिज, परिशोधन, जीएम लैंड सम्मरू और भूमि अधियाचना से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई. उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व संग्रहण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और गति लाई जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंच सके. इसके अलावा उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन से संबंधित तैयारियों पर भी विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लू से बचाव के लिए अस्पतालों, विद्यालयों और सामुदायिक भवनों में आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं. पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, छायादार स्थान और प्राथमिक चिकित्सा की उपलब्धता हर क्षेत्र में होनी चाहिए.इस बैठक में मौजूद अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल सदानंद महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, भू अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे.

ऑलराउंडर प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया

मुंबई : गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया. सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए. जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया. मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे. यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है. वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है. लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है. वहीं, हैदराबाद किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है. इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में मात मिली थी. उसके बाद गत विजेता कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था. लक्ष्य का पीछा करते हुए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने रेयान रिक्लेटन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेले बिना 26 रन बनाकर आउट हो गए. रिक्लेटन बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक बार जीवनदान मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे. फिर सूर्यकुमार यादव भी 26 रन

बनाकर आउट हो गए. तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया.

18वें ओवर की शुरुआत में मुंबई को जीत के लिए दो रन चाहिए थे और पहली गेंद पर तिलक ने सिंगल लिया, लेकिन अगली गेंद पर हार्दिक आउट हो गए. हार्दिक ने 21 रन बनाए. नए बल्लेबाज के रूप में उतरे नमन धीर पांचवीं गेंद पर खाता खोले बिना आउट हुए और मुंबई की जीत का इंतजार बढ़ गया. 19वें ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने चौका लगाकर मुंबई को जीत दिलाई. तिलक 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाकर नाबाद लौटे. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके. उनके अलावा ईशान मलिंगा को दो और हर्षल पटेल को एक विकेट मिला.

अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के सामने 163 रनों का लक्ष्य रखा. हैदराबाद की बल्लेबाजी धीमी रही, लेकिन अनिकेत ने 20वें ओवर में हार्दिक पांड्या के ओवर से 22 रन निकाले. हैदराबाद के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों पर सात चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए. पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक और ट्रेविस हेड ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और पावरप्ले तक मुंबई को कोई सफलता हासिल नहीं करने दी और पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े. हार्दिक पांड्या ने अभिषेक को आउट कर हैदराबाद को पहला झटका दिया. इसके बाद हैदराबाद की पारी लड़खड़ा गई. ईशान किशन इस मैच में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और दो रन बनाकर आउट हुए. ट्रेविस हेड को एक बार जीवनदान मिला, लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा सके और 29 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए.

नीतीश कुमार रेड्डी भी 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. बाद में हेनरिक क्लासेन ने हाथ खोले और टीम का स्कोर 130 के पार पहुंचाया, लेकिन उन्हें बुमराह ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा. क्लासेन ने 28 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन बनाए. फिर अनिकेत वर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम का स्कोर 160 के पार पहुंचने में सफल रहा. अनिकेत आठ गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 18 रन और कप्तान पैट कमिंस चार गेंदों पर एक छक्के के सहारे आठ रन बनाकर नाबाद लौटे. मुंबई के लिए विल जैक्स ने दो विकेट लिए, जबकि ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को एक-एक सफलता मिली.

पंजाब के स्पिन आक्रमण के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा आरसीबी के बल्लेबाजों को

बेंगलुरु: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में युजवेंद्र चहल की अगुवाई वाले पंजाब किंग्स के स्पिन आक्रमण का डटकर सामना करना होगा. आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था तथा चहल और ग्लेन मैक्सवेल उसकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे. यही नहीं चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं.

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट लेकर फॉर्म में लौटने वाले चहल का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता जबकि मैक्सवेल को बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है. चहल जादुई गेंदों के बजाय लेंथ के मास्टर हैं. यह लेग स्पिनर ऑफ-स्टंप के बाहर गेंद करके बल्लेबाजों को लंबे शॉट खेलने का लालच देता है जिससे कि वह सीमा रेखा के करीब कैच दे देते हैं.

वह अपनी गति में भी काफी चतुराई से बदलाव करते हैं और यदि बल्लेबाजों को उनके खिलाफ छक्के मारने हैं तो उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत होती है. मैक्सवेल भी एक ऐसा स्पिनर है, जो बड़े टर्न या डिपर्स के बजाय नियंत्रण पर भरोसा करता है. आरसीबी के पास क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा के रूप

में अच्छे स्पिनर हैं और टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी. पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन के रूप में अच्छे तेज गेंदबाज हैं, हालांकि वे आरसीबी के जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जितने अनुभवी नहीं हैं.

अगर कप्तानों की बात करें तो रजत पाटीदार और श्रेयस अय्यर में बहुत कम समानता है. इस टूर्नामेंट में एक बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकार्ड रखने वाले अय्यर ने आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में अपनी साख साबित की है. दूसरी तरफ पाटीदार आईपीएल में पहली बार कप्तान बने हैं. लेकिन असमानता यहीं पर खत्म हो जाती है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी शांत रहकर बड़ी कुशलता से अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं. इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी. कोलकाता के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में जीत दर्ज करने से पंजाब का हौसला बढ़ा होगा लेकिन उसे आरसीबी से सतर्क रहना होगा जिसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी गहराई है और उस पर पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान काम नहीं होता है.

बायर्न म्यूनिख को 4-3 से हराकर इंटर मिलान चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

मिलान: बायर्न म्यूनिख के पूर्व डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड ने अपने पुराने क्लब के खिलाफ गोल करके इंटर मिलान को बुधवार को जर्मन टीम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-2 से बराबरी दिलाने और चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-1 से जीता था और इस तरह से उसने 4-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की. फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पावर्ड 2023 में बायर्न को छोड़कर इंटर मिलान से जुड़े थे. यह इंटर के लिए पावर्ड का पहला गोल था. हैरी केन ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल करके बायर्न म्यूनिख को कुल स्कोर में बराबरी दिला दी थी लेकिन लुटारो मार्टिनेज और पावर्ड के गोल से इंटर मिलान ने जल्द ही अपनी बढ़त मजबूत कर दी. बायर्न म्यूनिख की तरफ से 76वें मिनट में एरिक डियर ने बराबरी का गोल दागा, लेकिन इससे कुल स्कोर में हार का अंतर ही कम हो पाया.

लीमा विश्व कप: रेइजा ढिल्लों महिला स्कीट में पांचवें स्थान पर

लीमा (पेरू): पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों अपने पहले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में महिला स्कीट स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रही. दिन की दूसरी स्पर्धा के बाद भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर चीन के बाद दूसरे स्थान पर है. पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता और एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी रेइजा 60 शॉट के निर्णायक मुकाबले में 26 हिट के बाद बाहर हो गई. वह चौथे स्थान पर रही चीन की जियांग यितिंग से पार नहीं पा सकी जो पेरिस ओलंपिक में मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुकी है. तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन और छह बार ओलंपिक पदक जीत चुकी किम्बरली रोडे ने स्पर्ण पदक जीता. अमेरिका की ही सामंथा सिमोंटोन दूसरे और पूर्व विश्व चैम्पियन डानिया जो विज्ञी तीसरे स्थान पर रही. भारत की गनीमत सेखों नौवें और दर्शना राठौड़ 15वें स्थान पर रहीं.

स्मृति मंधाना बनी महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की आइकन खिलाड़ी

पुणे : भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को गुरुवार को रत्नागिरी जेट्स का आइकन खिलाड़ी नामित किया गया जो महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) में खेलेगी. डब्लूएमपीएल का पहला टूर्नामेंट पिछले साल जून में खेला जाना था लेकिन दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के भारत दौरे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था और बाद में इसके आयोजन के लिए सही तारीख नहीं मिल पाई थी. रत्नागिरी जेट्स ने लगातार दो वर्षों तक महाराष्ट्र प्रीमियर लीग का पुरुष टूर्नामेंट जीता है. मंधाना ने एक विज्ञप्ति में कहा, फ्रेंचाइजी ने एमपीएल में सफलता और महिलाओं के खेल के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण दिखाया है. मैं इस सफर को नए मुकाम पर पहुंचाने को लेकर उत्साहित हूं.

टी20 मुंबई लीग का चेहरा होंगे रोहित शर्मा, भारतीय खिलाड़ी भी खेल सकते हैं

मुंबई : भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा टी20 मुंबई लीग के दूत होंगे और एमसीए को उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव जैसे सितारे भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे जो कोरोना महामारी के कारण दो सत्र बाद आयोजित नहीं किया जा सका. यह लीग 2018 और 2019 में खेली गई थी जिसके बाद कोरोना महामारी के कारण बंद हो गई . रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं लेकिन आईपीएल खेलते हैं . मुंबई के नामचीन खिलाड़ियों में रोहित के अलावा सूर्यकुमार, श्रेयस, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे, तुषार देशपांडे और पृथ्वी साव हैं . टेस्ट बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल कुछ दिन पहले मुंबई से गोवा चले गए. एमसीए के एक अधिकारी ने कहा ,हमने मुंबई के खिलाड़ियों के लिये इसमें भाग लेना अनिवार्य नहीं किया है लेकिन हमें उम्मीद है कि वे टी20 मुंबई लीग खेलेंगे. इससे मुंबई क्रिकेट , क्रिकेटरों और लीग को फायदा मिलेगा. एमसीए को टूर्नामेंट के लिये 2800 से अधिक आवेदन मिले हैं .

नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में 84.52 मीटर थ्रो के साथ सत्र की शुरुआत की

नई दिल्ली: भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की. चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया. भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था. चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गये. केवल दो खिलाड़ियों चोपड़ा और स्मिट ने ही प्रतियोगिता में 80 मीटर की दूरी पार की. दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे.

चोपड़ा अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान ज़ेलेज़नी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं. ज़ेलेज़नी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं. भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लॉस बार्टोनिट्ज़ से अलग हो गए थे. चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे. उन्होंने 2020 तोक्यो (स्वर्ण) और 2024 पेरिस खेलों (रजत) में लगातार ओलंपिक पदक जीते. चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था. वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं.

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर जुर्माना

नई दिल्ली: दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जमा किया गया है. बुधवार को खेला गया यह मैच काफी रोमांचक रहा था जिसमें दिल्ली ने सुपर ओवर में जीत हासिल की थी.

आईपीएल के बयान के अनुसार, भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने आईपीएल आचार संहिता के खेल भावना से विपरीत आचरण करने से संबंधित अनुच्छेद 2.20 के लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है.

बयान में कहा गया है, दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जमा कर दिया गया है. मुनाफ ने मैच रेफरी के इस फैसले को स्वीकार कर लिया है. बयान में यह नहीं बताया गया है कि मुनाफ ने क्या गलती की थी लेकिन माना जा रहा है कि एक मैच अधिकारी के साथ बहस करने के कारण उन्हें दंडित किया गया है. मुनाफ संदेश देने के लिए अपने एक खिलाड़ी को मैदान में भेजना चाहते थे लेकिन मैच अधिकारियों ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी.

बीसीसीआई ने नायर को भारतीय टीम के सहायक कोच पद से हटाया, सहयोगी स्टाफ में होगा बदलाव

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ के एक हाई-प्रोफाइल सदस्य के साथ अनबन की अटकलों के बीच सिर्फ आठ महीने बाद ही पद से हटा दिया गया है, हालांकि इसका कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में हार को बताया जा रहा है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों की मानें तो नायर को सहयोगी स्टाफ से हटाने के बीसीसीआई के फैसले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, भारत की टेस्ट क्रिकेट में हाल की हार (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) के बाद सहयोगी स्टाफ को लेकर मंथन चल रहा था लेकिन बीसीसीआई में यह भी महसूस हो रहा है कि सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य और एक वरिष्ठ स्टार खिलाड़ी के बीच की लड़ाई में नायर बलि का बकरा बन गए. फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई का भी अपने-अपने पदों पर तीन साल से अधिक समय पूरा करने के बाद बाहर होना तय है क्योंकि बीसीसीआई की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) ने सहयोगी स्टाफ का कार्यकाल तीन साल तक सीमित कर दिया है.

पता चला है कि भारत के पहले स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स के दूसरे कार्यकाल के लिए लौटने की संभावना है. विश्व कप 2003 के दौरान तत्कालीन सौरव गांगुली की अगुवाई वाली भारतीय टीम में एक नई फिटनेस संस्कृति की शुरुआत करने के

लिए दक्षिण अफ्रीका के इस कोच को बहुत श्रेय दिया जाता है. जब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से पीटीआई ने संपर्क किया, तो उन्होंने न तो इसकी पुष्टि की और न ही इससे इनकार किया. सैकिया ने अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा, कुछ चीजों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. आपको कुछ दिनों में इस बारे में सूचित कर दिया जाएगा. भारत की तरफ से तीन एकदिवसीय मैच खेलने वाले 41 वर्षीय नायर से भी पीटीआई ने संपर्क किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. इस ऑलराउंडर को घरेलू क्रिकेट का दिग्गज माना जाता है. उन्होंने कुल 103 प्रथम श्रेणी मैच खेले. पता चला है कि सितांशु कोटक को अतिरिक्त बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किए जाने के बाद से ही नायर को हटाने की योजना थी. बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई से कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के ठीक बाद बीसीसीआई ने समीक्षा बैठक की थी जिसमें सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सहित बोर्ड के शीर्ष अधिकारी, भारतीय टीम से जुड़े महत्वपूर्ण सदस्य और राष्ट्रीय चयनकर्ता उपस्थित थे. उन्होंने कहा,इस बैठक में सहयोगी स्टाफ से एक वरिष्ठ सदस्य ने नायर की भूमिका को लेकर आशंका व्यक्त की थी और कहा था कि उनकी उपस्थिति से ड्रेसिंग रूम में विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. बीसीसीआई ने तुरंत कार्रवाई नहीं की, लेकिन वे कोटक को ले आए. यह चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान नायर को किनारे करने का एक तरीका था.

माना जाता है कि नायर सहायक कोच के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद नहीं थे. उन्हें गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था क्योंकि उनके बीच अच्छी दोस्ती है. नायर और दिलीप भारतीय कप्तान के भरोसेमंद रहे हैं और यह पता नहीं चला है कि रोहित को इस नए घटनाक्रम से अवगत करा दिया गया है या नहीं.

व्यापार जगत की खबरें

अमेरिका व चीन की तनातनी से शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

24 कैरेट सोना 96 हजार तो 22 कैरेट सोना 88 हजार के पार

नई दिल्ली: अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनातनी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है. 24 कैरेट सोना आज पहली बार 96 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज पहली बार 88 हजार रुपये के ऊपर पहुंचा हुआ है. सर्राफा बाजार में आज चांदी के भाव में भी तेजी बनी हुई नजर आ रही है.

आज की तेजी के कारण सोना 970 रुपये से लेकर 1,010 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. भाव में आए इस उछाल के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 96,180 रुपये से लेकर 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,160 रुपये से लेकर 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. इसी तरह चांदी भी आज 300 रुपये महंगी हुई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही है.

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 96,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 96,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 96,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 88,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 96,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 96,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 96,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 96,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 88,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 96,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिका है.

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, शुरुआती गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में तूफानी तेजी

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा. आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी. शुरुआती कारोबार में बिकवाली के दबाव के की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की गिरावट और बढ़ गई. पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई. इसके बाद आज पूरे दिन खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण इंट्रा-डे में सेंसेक्स 1,951 अंक और निफ्टी 573 अंक उछल गए. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत और निफ्टी 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए. आज दिन भर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 419.49 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 415 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.49 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

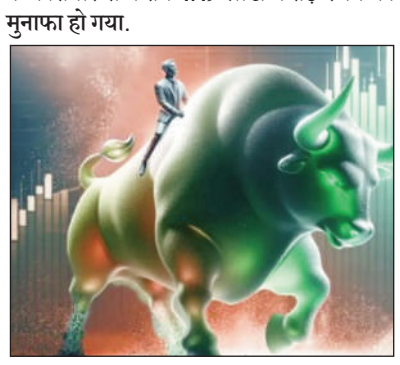

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,429 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,520 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 157 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,557 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,638 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 919 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 76.27 अंक की कमजोरी के साथ 76,968.02 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले घंटे के दौरान बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक 378.52 अंक की कमजोरी के साथ 76,665.77 अंक तक गिर गया. इस गिरावट के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई. लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,951 अंक उछल कर 1,572.48 अंक की तेजी के साथ 78,616.77 अंक के स्तर तक पहुंच गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,508.91 अंक की बढ़त के साथ 78,553.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 35.35 अंक फिसल कर 23,401.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सुबह 10:30 बजे तक यह सूचकांक 138.65 अंक टूट कर 23,298.55 अंक तक गिर गया. इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निफ्टी निचले स्तर से 573.80

फिच ने भारत के जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

नई दिल्ली: ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वैश्विक व्यापार युद्ध से जुड़ी 'गंभीर' चिंताओं को देखते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है. फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 10 आधार अंक घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है. हालांकि, अगले वित्त वर्ष के लिए रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमानों को बरकरार रखा है.

फिच ने गुरुवार को जारी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा, ''अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है. व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं. शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा.''

फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है. फिच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत समेत विभिन्न देशों पर अंधाधुंध व्यापार शुल्क लागू करने से वैश्विक व्यापार युद्ध में बढ़ोतरी के बीच ताजा आंकड़े जारी किए हैं. फिच ने अपने मार्च जीईओ से 2025 में विश्व विकास अनुमानों में 0.4 फीसदी अंकों की कटौती की तथा चीन और अमेरिका की वृद्धि में 0.5 फीसदी अंकों की कटौती की है.

फिच रेटिंग्स ने विश्व विकास के पूर्वानुमानों को भी कम कर दिया है. एजेंसी ने इस वर्ष विश्व विकास दर 2 फीसदी से नीचे आने का अनुमान जताया है. कोरोना महामारी को छोड़कर यह 2009 के बाद से सबसे कमजोर वैश्विक विकास दर होगी. भारत के बारे में फिच ने वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में 10 आधार अंकों की कटौती कर क्रमश: 6.2 फीसदी और 6.4 फीसदी कर दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.3 फीसदी पर बरकरार रखी गई है.

फिच रेटिंग्स के मुताबिक अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर वर्ष 2025 तक 1.2 फीसदी पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है. फिच के अनुमानों के अनुसार चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष दोनों में 4 फीसदी से नीचे रहने की उम्मीद है, जबकि यूरोजोन में वृद्धि 1 फीसदी से काफी नीचे अटकी रहेगी.

न्यूज कॉर्नर

महाराष्ट्र में पहली कक्षा से पांचवीं तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप से अनिवार्य

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में सत्र 2025-26 से पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य कर दी है. यह घोषणा महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नया शैक्षणिक ढांचा के तहत की गई है. सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के स्कूलों में अब तक दो भाषाएं पढ़ाई जाती थीं, लेकिन नई नीति के तहत छात्रों को तीन-भाषा फॉर्मूला के अनुसार शिक्षा दी जाएगी. नए कैरिकुलेम के मुताबिक अब महाराष्ट्र में 5+3+3+4 के तहत पढ़ाई होगी. शिक्षा विभाग के अनुसार स्कूल शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है. पहला पांच साल (3 वर्ष प्री प्रायमरी और क्लास 1 और 2)फाउंडेशनल स्टेज होगा. इसके बाद क्लास 3 से 5 तक को प्रारंभिक स्तर माना जाएगा. क्लास 6 से 8 तक को मीडिल स्कूल के अंतर्गत गिना जाएगा. जो सबसे आखिरी और फाइनल के चार साल होंगे (9 से 12वीं तक) को सेंकंडरी एजुकेशन में काउंट किया जाएगा. इस तरह की व्यवस्था की शुरुआत भी शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से की जाएगी.

ईडी की छापेमारी के बाद ईजमाईट्रिप ने महादेव सट्टेबाजी ऐप से जुड़े होने से इनकार किया

नई दिल्ली: ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप ने गुरुवार को महादेव सट्टेबाजी ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध से इनकार किया. एक दिन पहले प्लेटफॉर्म के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद यह बयान आया है. ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में कई राज्यों में छापेमारी करते हुए पिट्टी के परिसरों पर छापा मारा था. सूत्रों ने बताया कि दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और ओडिशा के संबलपुर समेत 55 स्थानों पर छापेमारी की गई. उन्होंने बताया कि यह छापेमारी मामले में जुटाए गए कुछ नए साक्ष्यों के आधार पर की गई है. उन्होंने बताया कि दिल्ली में ईजमाईट्रिप के चेयरमैन 39 वर्षीय पिट्टी के परिसर और कार्यालय पर भी छापेमारी की जा रही है. ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ईडी ने विभिन्न व्यक्तियों/कारोबारी संगठनों के 50 से अधिक परिसरों पर छापे मारे. उनमें से एक ईजमाईट्रिप परिसर भी है. बयान में कहा गया है, 'ईजमाईट्रिप का महादेव सट्टेबाजी ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है. हालांकि हम जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं.

गुजरात के पाटन जिले में बस-ऑटो रिक्शा की भिड़ंत में छह की मौत

पाटण: जिले के समी-राधनपुर हाइवे पर समी के गोचनाद के समीप गुरुवार सुबह गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) की बस और ऑटो रिक्शा में भीषण टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने सभी शवों को राधनपुर रेफलर हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. जानकारी के अनुसार राधनपुर तहसील के अमरगढ़ के वादी मोहल्ले के रहने वाले एक ऑटो से घर की ओर आ रहे थे. समी-राधनपुर हाइवे पर समी के गोचनाद के समीप हिम्मतनगर से माता की मढ की ओर जा रही रोडवेज बस ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी. इस भीषण टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और ऑटो रिक्शा पर सभी छह लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई. पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई. मृतकों की पहचान बाबूभाई फूलवादी (70), कांताबेन फूलवादी (60), ईश्वरभाई फूलवादी (75), ताराबेन फूलवादी (70), नरेश फूलवादी (35) और सायराबेन फूलवादी (35) के रूप में हुई है. पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिएअस्पताल भेज दिया है. घटना की जानकारी मिलने पर राधनपुर के विधायक लविंगजी ठाकोर भी घटनास्थल पर पहुंच गए. मौके पर लविंगजी ठाकोर ने कहा कि आज यह भीषण दुर्घटना में वादी मोहल्ले के छह लोगों की मौत हुई है. उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को सीएम फंड से 4-4 लाख रुपये की सहायता दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा.

राजस्थान के उदयपुर जिले में घर में आग लगने से दो बच्चे जिंदा जले

जयपुर : राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कच्चे मकान में आग लगने से दो बच्चे जिंदा जल गए और दो अन्य घायल हो गए. पुलिस के अनुसार यह हादसा जिले के छतरी गांव में बुधवार रात हुआ. पाटिया के थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है. उन्होंने बताया, प्रभुलाल गमेती के घर में अचानक आग लग गई, जिसमें उनके चार बच्चे फंस गए. प्रभुलाल और उनकी पत्नी पुष्पा घर के अंदर भागे और दो बच्चों को बचाने में सफल रहे, जबकि दो बच्चे जल गए. आग लगने की घटना में उनकी बेटी जीनल (14) और बेटे सिद्धार्थ (8) की मौत हो गई.

इजराइल के हमले में दोनों हाथ गंवाने वाले फलस्तीनी लड़के की तस्वीर को मिला पुरस्कार

दे हेग : गाजा में इजराइल के हमले में दोनों हाथ गंवाने वाले एक फलस्तीनी लड़के की तस्वीर गुरुवार को वर्ल्ड प्रेस फोटो ऑफ द ईयर चुनी गई. द न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए कतर में रहने वाली फलस्तीनी फोटोग्राफर समर अबू अलूफ की ली हुई यह तस्वीर नौ साल के लड़के महमूद अजूर की है, जिसके दोनों हाथ नहीं है. वर्ल्ड प्रेस फोटो संगठन द्वारा जारी एक बयान में एलूफ ने कहा, महमूद की मां ने मुझे दिल को छू लेने वाली बात बताई कि जब महमूद को पहली बार यह अहसास हुआ कि उसके दोनों हाथ काट दिए गए हैं, तो उसने सबसे पहले जो वाक्य कहा, वह था, मैं तुम्हें गले कैसे लगाऊंगा? वर्ल्ड प्रेस फोटो की कार्यकारी निदेशक जुमाना एल जीन खोरी ने कहा, यह एक खामोश तस्वीर है जो बिना बोले ही सबकुछ बता रही है. यह एक लड़के के साथ साथ एक व्यापक युद्ध की कहानी भी बता रही है, जिसका प्रभाव पीढ़ियों तक रहेगा. संगठन ने एक बयान में कहा कि अजूर मार्च 2024 में इजराइली हमले से बचकर भागते समय घायल हो गया था. वर्ल्ड प्रेस फोटो के अनुसार, जब वह अपने परिवार को देखने के लिए पीछे मुड़ा, तो एक विस्फोट में उसका एक हाथ कट गया और दूसरा क्षत-विक्षत हो गया. पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर अबू एलूफ को दिसंबर 2023 में गाजा से निकाला गया था और वह अब कतर की राजधानी दोहा में उसी अपार्टमेंट में रहती हैं, जहां अजूर रहता है.

काठमांडू में दो करोड़ के अवैध सोने- चांदी के गहने सहित नौ भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू: नेपाल के काठमांडू से दो करोड़ रुपये से अधिक के सोने और चांदी के गहने सहित नौ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है. आरोप है कि वह राजधानी के विभिन्न स्थानों सोना और चांदी की अवैध बिक्री कर रहे थे. काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता अपील बोहरा कहा कि पुलिस कार्रवाई के दौरान छापा मार कर एक किलो 76.518 ग्राम सोना तथा एक किलो 845.429 ग्राम चांदी जब्त की गई है. जब्त किए गए सोने की कीमत एक करोड़ 70 लाख रुपए, जबकि चांदी की कीमत 30 लाख रुपये है. इसके अलावा उनके कब्जे से 8 लाख 27 हजार रुपये नेपाली करेंसी और 91 हजार 700 रुपये भारतीय करेंसी बरामद की गई है. गिरफ्तार किए गए लोगों में 30 वर्षीय नव नाथ बाकू कासिद, संदीप पोपट हजारे 20 वर्ष, अंसार दिलावर सिकलगर 22 वर्ष, सुरेश राजेश मदने 18 वर्ष, अरमान हनीफ इमांडया 21 वर्ष, मनोज सुभाष सकत 22 वर्ष, अमोल कुमार गोस्ले 38 वर्ष, सुनील मितकारी 20 वर्ष और सूरज नंदीवाली 20 वर्ष शामिल हैं.

तेज हवाओं और बारिश के कारण सचिवालय की चारदीवारी का एक हिस्सा और दर्जनों वाहन तथा घर क्षतिग्रस्त

जम्मू: जम्मू में बीती रात तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश के कारण सचिवालय की चारदीवारी का एक हिस्सा और दर्जनों वाहन तथा घर क्षतिग्रस्त हो गए जिससे शहर अंधेरे में डूब गया.पुलिस ने गुरूवार को जानकारी दी कि शहर और अन्य जगहों से तेज हवाओं के कारण किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. उन्होंने बताया कि शहर के मध्य में महिला पार्क के पास सचिवालय की चारदीवारी का एक हिस्सा बीती रात गिर गया. उन्होंने बताया कि सचिवालय से सटे मुख्य मार्ग पर चल रही सात कारें कंटीली बाड़ की चपेट में आ गईं लेकिन उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ. उन्होंने बताया कि यातायात विभाग ने चार वाहनों को मौके से हटा दिया है और फंसे हुए अन्य वाहनों को भी निकाल दिया गया है.

न्यायपालिका भारत के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती, सुपर संसद के रूप में कार्य कर रही: धनखड़

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा निर्धारित करने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता. धनखड़ ने न्यायपालिका के प्रति यह कड़ी टिप्पणी राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए की. कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समयसीमा तय की थी. उन्होंने ने कहा,इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है.

उपराष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 को न्यायपालिका को चौबीसों घंटे उपलब्ध लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल करार दिया. उन्होंने कहा, अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है और (जो) न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है.

संविधान का अनुच्छेद 142 उच्चतम न्यायालय को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने

हेतु आदेश जारी करने की शक्ति देता है. इस शक्ति को उच्चतम न्यायालय की पूर्ण शक्ति के रूप में भी जाना जाता है. धनखड़ ने कहा, ''हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है. हम किस दिशा में जा रहे हैं? उन्होंने कहा, ''देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना चाहिए. यह सवाल नहीं है कि कोई पुनर्विचार याचिका दायर करता है या नहीं. हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी. राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है. उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी चिंताएं बहुत उच्च स्तर पर थीं और उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि उन्हें ऐसा देखने को मिलेगा.

धनखड़ ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को याद दिलाया कि भारत के राष्ट्रपति का पद बहुत ऊंचा है. उन्होंने कहा, राष्ट्रपति संविधान के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव की शपथ लेते हैं. मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसद और न्यायाधीश सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं.

उप राष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है. इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीश होने चाहिए.उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है. धनखड़ ने कहा, जवाबदेही का एक सिद्धांत काम कर रहा है. संसद में आप सवाल पूछ सकते हैं लेकिन अगर यह कार्यपालिका शासन न्यायपालिका द्वारा संचालित है, तो आप सवाल कैसे पूछ सकते हैं? चुनावों में आप किसे जवाबदेह ठहराते हैं? उन्होंने कहा, समय आ गया है जब हमारी तीन संस्थाएं - विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका -फूलें-फलें किसी एक द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है.

कॉलेज छात्रा को अश्लील मैसेज भेजने वाले प्रिंसिपल पर कार्रवाई की जगह वापस बूंदी भेजा, छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ तेज

जयपुर: हमारे देश में गुरु को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आजकल कुछ ऐसे भी कलयुगी शिक्षक है जो इस सम्मान जनक पद की गरिमा को कलंकित करने का काम कर रहे हैं. ऐसा ही एक मामला राजस्थान के कोटा जिले से निकलकर सामने आया है. कोचिंग सिटी में एक कॉलेज के प्रिंसिपल ने कई छात्राओं को अश्लील मैसेज कर दिया. सरकारी गर्ल्स कॉलेज के प्रिंसिपल पर स्टूडेंट्स को अश्लील मैसेज भेजने के मामले में राज्य सरकार ने एक्शन लिया है. इस मामले में सरकार ने तत्काल सक्रियता निभाते हुए निर्देश जारी कर प्राचार्य को प्रिंसिपल पद से रिलीव कर दिया गया है.

वहीं दूसरी तरफ इस मामले में लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है. छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरुवार को भी सहायक निदेशक कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया. साथ ही प्रिंसिपल पर सख्त कार्रवाई की मांग की. आयुक्तालय के निर्देश पर ही जेडीबी गर्ल्स कॉलेज की कमेटी इस पूरे मामले की जांच कर रही थी. आरोपी प्रिंसिपल कोटा में डेपुटेशन पर तैनात थे, जबकि उनकी पोस्टिंग मूल रूप से बूंदी कॉलेज में है. ऐसे में सरकार से आदेश मिलते ही कोटा से उन्हें रिलीव कर दिया गया है. उनके खिलाफ राज्य सरकार के निर्देश पर जांच जारी है. जेडीबी कॉलेज की प्राचार्य डॉ सीमा चौहान और महिला उत्पीड़न समिति मामले की जांच जारी है. जांच रिपोर्ट के कॉलेज एजुकेशन आयुक्तालय पहुंचने पर प्रिंसिपल पर और भी कार्रवाई हो सकती है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपने नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि नेशनल हेराल्ड मामला धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है और राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया. केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सरकार द्वारा परमार्थ उपयोग के लिए नेशनल हेराल्ड को दी गई संपत्तियों का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल करने के कारण अपने नेताओं के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए.

पुरी ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विपक्षी दल के नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है . उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए. उन्होंने कहा, नेता अपने ही कार्यकर्ताओं को गुमराह कर रहे हैं. अगर उन्हें विरोध करना है, तो उन्हें अपने नेतृत्व के खिलाफ विरोध करना चाहिए. सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों के पास यंग इंडियन में 76 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के तथ्य की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी ने 50 लाख रुपये की मामूली राशि के लिए एसोसिएटेड जर्नल्स के 99 प्रतिशत शेयर हस्तांतरित कर दिए . नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएटेड जर्नल्स के पास है.

पुरी ने कहा कि एसोसिएटेड जर्नल्स के पास 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है. उन्होंने आरोप लगाया, यह धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है. पुरी ने कहा कि यह मामला उस समय का है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार सत्ता में थी . तत्कालीन मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने दावा किया था कि सार्वजनिक धन का निजी इस्तेमाल के लिये यंग इंडियन की स्थापना की गयी थी.एक उदाहरण देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस से संबद्ध अखबार को 1963 में प्रेस और कार्यालय चलाने के लिए बहादुर शाह जफर मार्ग पर 0.3365 एकड़ जमीन 1.25 लाख रुपये प्रति एकड़ की रियायती दर पर आवंटित की गई थी. हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रेस को बहुत पहले बंद कर दिया गया था और इसकी चार मंजिलें पासपोर्ट कार्यालय एवं एक कॉर्पोरेट समूह को भारी रकम पर किराए पर दे दी गई थीं.

महिला की अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद: साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने महिला का अश्लील फोटो तैयार कर पैसे मांगने के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि साइबर थाना सैंट्रल में फरीदाबाद निवासी महिला ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि उसके फोन पर एक मैसेज आया जिसमें सस्ता सामान खरीदने के लिए लिंक था. लिंक पर क्लिक करके के बाद उससे फोन के कुछ एक्सेस मांगे गये, जिनकी अनुमति उसके द्वारा दे दी गई, जिसके बाद उसके फोन के सभी एक्सेस ठगों को मिल गये और उन्होने शिकायतकर्ता के फोन से उसकी फोटो और कांटैक्ट नंबर चुरा लिये. जिसके दो दिन बाद शिकायतकर्ता के पास उसके व्हाट्सएप नंबर पर ठगों ने उसकी अश्लील फोटो बनाकर उसके पास भेजे और उससे पैसे की मांग की और ठगों ने कहा कि अगर वह पैसे नही देगी तो उसकी अश्लील फोटो उसके जानकारों और रिश्तेदारों के पास भेज देगे. बदनामी के डर से शिकायतकर्ता ने विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से एक लाख 74 हजार 359/-रू ठगों के खाता में भेजे. ठगों की लगातार मांग से परेशान होकर महिला ने शिकायत साइबर थाना सैंट्रल में दी जिसपर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया

देश से 2026 तक हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा नक्सलवाद : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री नीमच में सीआरपीएस के 86वें स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

नीमच: केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है. उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा. इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए. कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव उपलब्ध होते हैं. जब भी देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे.

केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की. उन्होंने सीआरपीएफ बल की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियाँ, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं.

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज सीआरपीएफ के तीन लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं. देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी

मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया. उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमाई क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीआरपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है. सीआरपीएफ में अब महिला कर्मियों की भर्ती हो रही है. उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है. सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है. सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो विलक्षण हैं.

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायकगण व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

श्रीनगर और गांरबल जिलों में कई जगह पर की छापेमारी

श्रीनगर: वित्तीय साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए साइबर पुलिस कश्मीर ने स्थानीय पुलिस थानों के साथ मिलकर गुरुवार को श्रीनगर और गांरबल जिलों में कई जगह छापेमारी की.विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि श्रीनगर और गांदरबल में कम से कम तीन स्थानों पर आज सुबह छापेमारी की गई जिसमें उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो कथित तौर पर उनके नाम पर खोले गए बैंक खातों के माध्यम से धोखाधड़ी वाले लेनदेन को सुविधाजनक बनाने में शामिल थे.

सरकार ने वक्फ अधिनयम से संविधान के मूल पर हमला किया: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 से जुड़े मामले में कुछ बिंदुओं पर अंतरिम राहत मिलने को लेकर गुरुवार को उच्चतम न्यायालय का आभार जताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के माध्यम से किसी समुदाय नहीं, बल्कि संविधान के मूल पर हमला किया है. कांग्रेस प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, सरकार जिसे सुधार बता रही है, दरअसल वह अधिकारों पर प्रहार है. वक्फ़ अधिनियम प्रशासनिक कदम नहीं है, यह एक मूल वैचारिक हमला है. उन्होंने दावा किया, कानून सुधार की भाषा में यह अधिनियम पूरी तरह से 100 प्रतिशत नियंत्रण की नीति लाने का प्रयास करता है. यह न सिर्फ़ धार्मिक संस्थाओं पर चोट करता है बल्कि अल्पसंख्यकों के आत्मनिर्णय, स्वायत्तता की भावना को कुचलता है. यह सत्ता की दखलंदाजी को सुशासन कहकर पेश करता है. सिंघवी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चुप नहीं रहेगी और सड़क से लेकर संसद तक इस अधिनियम का विरोध करेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ़ अधिनियम एक लक्षित अतिक्रमण है तथा यह अधिनियम प्रशासनिक कार्यकुशलता के नाम पर स्थापित न्यायिक सिद्धांतों को कुचलता है.

सिंघवी ने संविधान के अनुच्छेद 26 उल्लेख करते हुए कहा, इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हर व्यक्ति

को पूरा अधिकार है कि वह अपने धर्म का पालन और उसका प्रचार-प्रसार कर सकता है. वह धर्म से जुड़ी संस्थाओं को चलाने, उनका प्रबंधन देखने और उनके चुनावों में नामित हो सकता है. उन्होंने कहा, कोई यह नहीं कह रहा कि इन अधिकारों की कोई सीमा नहीं है. इसी के तहत संविधान में इसकी सीमा भी लिखी गई है. आप देखेंगे तो इन सीमा का वक्फ़ अधिनियम से कोई संबंध नहीं है. सिंघवी ने कहा कि अधिनियम में कोई ऐसा प्रावधान नहीं है जो सार्वजनिक क़ानूनी व्यवस्था को बचाने के लिए किया गया हो, स्वास्थ्य और सार्वजनिक नैतिकता के लिए किया गया हो. उनके अनुसार, अधिनियम के प्रावधान 11 में कहा गया है कि वक्फ बोर्डों में पदाधिकारी सरकार द्वारा चयनित किए जाएंगे, न कि उनका चुनाव होगा.उन्होंने सवाल किया कि यदि राज्य सरकारें सभी लोगों की नियुक्ति करेगी तो संस्था की स्वायत्तता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित होगी? कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय का धन्यवाद व्यक्त करते हैं कि उसने संविधान विरोधी कानून के कई प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाई है. उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि अगली सुनवाई में हमें और राहत मिलेगी. यह किसी समुदाय पर नहीं, बल्कि संविधान के मूल पर हमला किया गया है.

युवा शक्ति माथापच्ची- 9

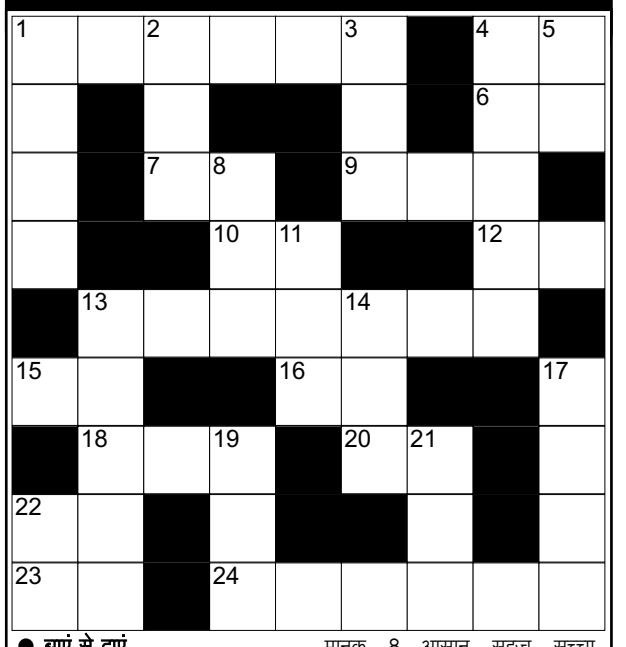

● **बाएं से दाएं**

1. आदर सहित 4. डूबा हुआ; लोप; तिरोरहित 6. विष्णु; शिव; पुरुष; देवयोनि; सेवक 7. गुण; सुख का अनुभव; जल 9. समर्थन; नियम; आरोप; प्रतिज्ञा; नींद 10. सूर्य 12. समय; वक्त; अंत 13. व्यर्थ टकराना; झगडा मोल लेना 15. आक्रमण; चढाई 16. क्रूर; नीच; दुष्ट; कमीना 18. नरम करना; खर्च करना 20. सांप; हाथी; खूंटी; एक प्रकार की घास, 22. गाया जाने वाला वेदमंत्र, एक नीति, 23. रुपया- पैसा, द्रव्य, 24. समझौता करना.

● **उपर से नीचे**

1. एक सा, बराबर, समान, 2. दृष्टि, ध्यान, भेंट, 3. रुई, 4. बिना अधिकार के, 5. एक दूसरे पर लगी तह, उठान, मानक, 8. आसान, सहज, सच्चा, सीधा, 11. अलग, वीरत, अप्रसन्न, निराश, 13. आनाजाना, 14. सहना, पचाना, उपर लेना, 17. पीड़ा से शब्द निकलना, काखना, 19. अगुवा, मुखिया, अधिपत्य, संगीतज्ञ, 21. ज्योतिषी, गणना करनेवाला, 22. इच्छा.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 08 का हल

		वि	प	न्न		म		सं
क	र	दा	ता		अ	नु	न	य
ह			का		नु			म
क	त	रा		प्र	सा	रि	त	
हा	नि		वि	चा	र		ला	भ
	क	दा	चा	र		प	क	ड़
सु			र		दा			क
वि	ना	य	क		स	म	झा	ना
ज्ञ		म		स	ता	ना		

सुडोकू-01

6		2				7		1
			2		9			
8	1			4	7	5		2
5				6	3		1	
9		1				2		3
	8		9	2				5
2		7	3	9			4	8
			1		5			
1		6				9		7

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -104 का उत्तर

5	2	4	8	6	1	3	9	7
9	6	1	7	3	2	5	4	8
3	7	8	5	4	9	1	6	2
1	9	6	3	8	7	4	2	5
8	3	5	1	2	4	6	7	9
7	4	2	6	9	5	8	3	1
6	5	9	4	7	8	2	1	3
2	1	3	9	5	6	7	8	4
4	8	7	2	1	3	9	5	6

कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसियेशन की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

लायंस हॉस्पिटल, कांकुड़गाछी का मिला सहयोग

प्रायोजक थी सत्यकीर्ति साड़ीज़ प्राइवेट लिमिटेड

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसियेशन अपना स्वर्ण जयन्ती वर्ष मानव सेवा के माध्यम से मना रहा है और इस कड़ी में आज सी.एस.डी.ए.कार्यालय में लायंस हॉस्पिटल, कांकुड़गाछी के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. इसमें सामान्य चिकित्सा परामर्श के अलावा आंखों की जांच, महत्वपूर्ण अंगों की जांच (बीपी और शुगर) दंत चिकित्सा जांच और फिजियोथेरेपी की गयी. यह जांच सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक चली. चिकित्सा शिविर के प्रायोजक थी सत्यकीर्ति साड़ीज़ प्राइवेट लिमिटेड (सत्य नारायण डिडवानिया) कंपनी. उल्लेखनीय है कि कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष निर्मल सराफ, सचिव सुशील गोयल और कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल हैं. आज के कार्यक्रम में संयोजक विकास अग्रवाल, संजय चोपड़ा ने बड़ी भूमिका निभाई. युवा शक्ति न्यूज से बात करते हुए निर्मल सराफ ने कहा कि जो कर्मचारी हमारे प्रतिष्ठानों में काम कर रहे हैं, उनके लिए यह हेल्थ चेक अप कैंप आयोजित किया गया था. उन्होंने कहा कि उनकी अच्छी सेहत हमारे लिए मायने रखती है. उन्होंने कहा कि कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसियेशन महानगर के साड़ी, लहंगे व अन्य परिधानों का एकमात्र कॉरपोरेट एसोसियेशन है. इसके लगभग 350 मेंबर हैं. उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष की हम लोगों ने सेवा के माध्यम से शुरुआत की है. हमारा मानना है कि अर्जन के बाद उसका कुछ हिस्सा सेवा के रूप में विसर्जित किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है. जो कर्मचारी हमें अपना मूल्यवान समय देते हैं और हम भी वेतन के अलावा क्या दे सकते थे, इस पर हमने सोचा और यह आयोजन किया गया. उन्होंने बताया कि स्वर्ण जयंती वर्ष में संगठन का नया ऑफिस बना है, जो लगभग 3500 स्क्वायर फीट में है. इसके पहले संगठन ने लायंस हॉस्पिटल, उल्टाडांगा में आई कैंप करवाया था और उसमें 22 लोगों की नेत्र चिकित्सा की गयी थी. उन्होंने बताया कि आगे भी हम इस तरह की सेवा निरंतर जारी रखेंगे और हमने इसके लिए पूरे 12 महीने का कैलेंडर बनाया है. उन्होंने लायंस अस्पताल के लोगों का भी आभार व्यक्त किया. उन्होंने सुशील गोयल, संजय चोपड़ा, संजय अग्रवाल, विष्णु जी, रमेश जी और पवन जी का नाम लिया, जिनका बराबर सहयोग मिलता रहा है. अंत में उन्होंने पीएम मोदी के नारे सबका साथ, सबका विकास की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे सभी सदस्यों का साथ और सबका बेहतर स्वास्थ्य अब हमारा स्लोगन है.

पाकिस्तान चाहे जितनी कोशिश कर ले, वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी छवि कम नहीं होगी: भारत

नयी दिल्ली: भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान के साथ एकमात्र संबंध यह है कि इस्लामाबाद केंद्र शासित प्रदेश के अवैध रूप से कब्जे वाले हिस्से को खाली कर दे. इसके साथ ही भारत ने क्षेत्र पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की टिप्पणी की कड़ी निंदा की. इस सप्ताह इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये जनरल मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान के ''गले की नस'' बताया था और कहा था कि कोई भी कश्मीर को उनके देश से अलग नहीं कर पाएगा. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''कोई विदेशी चीज गले में कैसे अटक सकती है? यह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है. पाकिस्तान के साथ इसका एकमात्र संबंध उस देश द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों को खाली कराना है.'' वर्ष 2008 में 26 नवंबर को हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से अपना पल्ला झाड़ने के पाकिस्तान के प्रयासों पर जायसवाल ने कहा, ''पाकिस्तान लाख कोशिश कर ले, लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी प्रतिष्ठा कम नहीं होगी.'' उन्होंने कहा, ''राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी है कि उसे मुंबई हमलों के अन्य अपराधियों को भी न्याय के कटघरे में लाना होगा, जिन्हें वह अब भी बचा रहा है.'' राणा (64) को अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पण की सभी बाधाएं दूर करने के बाद 10 अप्रैल को भारत लाया गया था. पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा अब भारतीय जांच एजेंसियों की हिरासत में है.

भारत 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्माण करेगा : राजनाथ

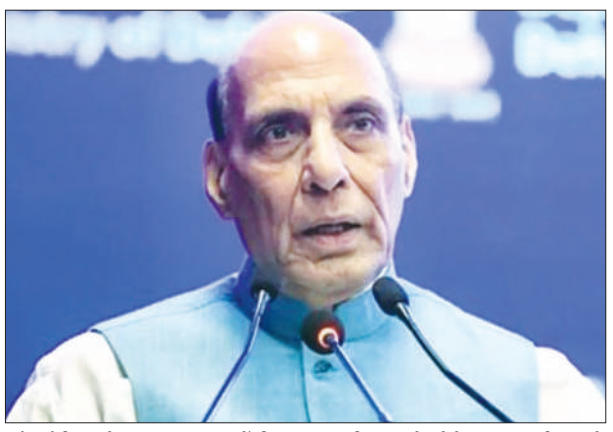

नयी दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस साल भारत का रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है और 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये मूल्य के सैन्य उपकरणों के निर्माण का लक्ष्य है. राजनाथ ने कहा कि भारत रक्षा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम करेगा और एक रक्षा औद्योगिक परिवेशी तंत्र बनाएगा, जो न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि रक्षा निर्यात की क्षमता को भी मजबूत करेगा. रक्षा मंत्री ने 'द वीक' पत्रिका द्वारा आयोजित 'डिफेंस कॉन्क्लेव 2025 - फोर्स ऑफ द फ्यूचर' में अपने संबोधन में यह बात कही. उन्होंने कहा, ''वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल विकसित देश के रूप में उभरेगा, बल्कि हमारी सैन्य शक्ति भी विश्व में शीर्ष पर होगी. इस वर्ष रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाना चाहिए, जबकि हमारा लक्ष्य वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा उपकरण तैयार करना है.'' रक्षा मंत्री ने कहा कि जहां भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताएं राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता पर केंद्रित हैं, वहीं वे विनिर्माण को वैश्विक 'आपूर्ति बाधाओं' से भी बचा रही हैं. उन्होंने घोषणा की, ''हमारा रक्षा निर्यात इस वर्ष 30,000 करोड़ रुपये और वर्ष 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाना चाहिए.'' सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता का उद्देश्य विवादों और संघर्षों को भड़काना नहीं है. उन्होंने कहा कि भारत की रक्षा क्षमताएं क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय प्रतिरोधक शक्ति की तरह हैं और शांति तभी संभव है जब भारत मजबूत बना रहे. सिंह ने अपने संबोधन में स्वदेशीकरण, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर तथा भविष्य के लिए तैयार' भारत के लक्ष्य हेतु एक आकर्षक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय रक्षा परिवेशी तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी अपनी स्थिति बना रहा है. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र का पुनरुद्धार और सुदृढ़ीकरण सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है. उन्होंने कहा कि सरकार की पहली और सबसे बड़ी चुनौती इस मानसिकता को बदलना है कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल आयात करेगा. सिंह ने कहा, ''आज, जहां भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लचीला बनाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है.'' उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम न केवल देश के रक्षा उत्पादन को मजबूत कर रहा है, बल्कि इसमें वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को लचीला और सुदृढ़ बनाने की क्षमता भी है. सिंह ने युद्ध की बदलती हुई प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में संघर्ष और युद्ध अधिक हिंसक और अप्रत्याशित होंगे तथा साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से नए युद्धक्षेत्र के रूप में उभर रहे हैं और इसके साथ ही, पूरी दुनिया में कथानक और धारणा का युद्ध भी लड़ा जा रहा है. सिंह ने रक्षा क्षेत्र में सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि 200 वर्ष से अधिक पुराने आयुध कारखानों का निगमीकरण एक साहसिक लेकिन आवश्यक कदम था. रक्षा मंत्री ने कहा, ''आज आयुध कारखाने अपने नए स्वरूप में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और लाभ कमाने वाली इकाइयां बन गए हैं. मेरा मानना है कि 200 वर्ष से भी अधिक पुराने ढांचे को बदलना इस सदी का बहुत बड़ा सुधार है.'' रक्षा मंत्री ने सरकार के स्वदेशीकरण अभियान को रेखांकित किया तथा सशस्त्र बलों द्वारा पांच तथा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी किए जाने का उल्लेख किया. उन्होंने रक्षा बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू कम्पनियों से खरीद के लिए आरक्षित करने के सरकार के निर्णय का भी जिक्र किया.

ओलिव रिडले प्रजाति का कछुआ ओडिशा से चार साल में 3,600 किमी तैरकर महाराष्ट्र के तट पर पहुंचा

केंद्रपाड़ा (ओडिशा): ओडिशा तट पर स्थित गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य में करीब चार साल पहले ऑलिव रिडले प्रजाति के एक कछुए को टैग किया गया था, जो बंगाल की खाड़ी के जरिए लगभग 3,600 किलोमीटर तैरकर महाराष्ट्र के एक समुद्र तट पर देखा गया. भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने यह जानकार दी. वैज्ञानिक ने बताया कि 18 मार्च 2021 को टैग किया गया यह कछुआ महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में एक समुद्र तट पर पाया गया था, जहां यह अंडे देने के लिए पहुंचा था. जेडएसआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक बासुदेव त्रिपाठी ने कहा कि यह पहला मामला है जिसमें वह कछुआ अंडे देने के लिए इतनी दूर गया जिसने पहले ओडिशा के तट पर अंडे दिए थे. त्रिपाठी ने कहा कि सामान्यतः, प्रवास

व्यवहार का अध्ययन करने के लिए ओडिशा में जिन कछुओं को टैग किया जाता है वे इतनी लंबी दूरी तय नहीं करते हैं. उन्होंने कहा, 'इससे पहले, श्रीलंका के उत्तरी तट से मछुआरों ने कुछ टैग किए गए कछुओं को बचाया था. हालांकि, पूर्वी राज्य में टैग किए गए कछुओं के श्रीलंका में अंडे देने का कोई इतिहास नहीं है.' प्रवासन चलन के बारे में त्रिपाठी ने कहा कि समुद्री कछुए आमतौर पर भोजन की तलाश और अंडे देने के स्थानों के बीच प्रवास करते हैं. उन्होंने कहा, 'नर और मादा कछुए प्रजनन क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं, तथा आमतौर पर उन समुद्र तटों पर लौट आते हैं जहां उनका जन्म हुआ था.' वैज्ञानिक ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी के किनारे ओलिव रिडले कछुओं के भोजन और प्रजनन स्थलों की पहचान करने और उनके प्रभावी संरक्षण की रणनीति बनाने की जरूरत है. त्रिपाठी ने कहा, 'चूंकि ओडिशा तट से एक टैग किया हुआ कछुआ पहली बार महाराष्ट्र के तट पर अंडे देने पहुंचा है, इसलिए इन भ्रमणशील समुद्री प्रजातियों के व्यवहार पर अधिक विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन का केन्द्र है.' त्रिपाठी ने कहा, 'इस मादा कछुए ने महाराष्ट्र स्थित स्थल पर अंडे देने के लिए कम से कम 3,600 किलोमीटर की कठिन यात्रा की.

पचास करोड़ का कुत्ता मंगाने का दावा करने वाले व्यक्ति के घर पहुंची ईडी की टीम

बेंगलुरु: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दल बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा विनिमय नियमों के उल्लंघन के मामले में तलाशी के लिए एक व्यक्ति के घर पहुंचा. व्यक्ति ने 50 करोड़ रुपये के कुत्ते का आयात करने का दावा किया था. हालांकि, यह दावा फर्जी पाया गया. सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि संघीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने पाया कि उस व्यक्ति के पास इतना महंगा कुत्ता खरीदने के लिए 'कोई साधन नहीं था', और ऐसी खबरें संभवत: सोशल मीडिया के लिए गढ़ी गई थीं. खबरों के अनुसार, उस व्यक्ति ने दावा किया था कि उसने 'दुनिया का सबसे महंगा' कुत्ता आयात किया है, जो कोकेशियन शेफर्ड और वुल्फ का 'क्रॉस-ब्रीड' है. यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो गया और ईडी की नजर उस पर पड़ गई. संघीय जांच एजेंसी के अधिकारी इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए दावों की पुष्टि करने के लिए उसके घर पहुंचे, लेकिन पाया कि दावा फर्जी था. उन्होंने कहा कि जिस कुत्ते की तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित की गई थीं, वह उसके पड़ोसी का था और उसकी कीमत 'एक लाख रुपये भी नहीं' थी.

याद किए गए आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: प्रख्यात साहित्यकार, लोकप्रिय राजनेता एवं उत्तरप्रदेश के पूर्व राज्यपाल आचार्य विष्णुकांत शास्त्री की 20वीं पुण्यतिथि पर आज श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के कक्ष में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी के अध्यक्ष वरिष्ठ चिंतक डॉ. अजयेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने बताया कि आचार्य विष्णुकांत शास्त्री गीता में वर्णित मानसिक, शारीरिक तथा वाचिक तप के अभ्यासी आचार्य थे. उनकी वाणी का आर्जव, मानस का वैदुष्य तथा शरीर का सौंदर्य हम सबकी प्रेरणा बना

हुआ है. पुस्तकालय अध्यक्ष महावीर बजाज ने उनके सान्निध्य में बिताये गौरवपूर्ण घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें उत्कृष्ट विद्वान, सरल हृदय और सौम्य स्वभाव वाला प्रेरक व्यक्ति बताया. मंत्री बंशीधर शर्मा ने बताया कि शास्त्री जी के प्रवचनों पर आधारित गीता परिक्रमा साहित्य और सनातन विचारधारा की अमूल्य निधी है. वे पुस्तकालय की व्यवस्था व गतिविधियों से अभिन्न रूप से जुड़े थे. उनके स्वभाव में अपनत्व का विराट भाव था. उनको स्मरण करना अपनी वाणी को पवित्र करना है. गजलकार रविप्रताप सिंह ने शास्त्रीजी के सद्गुणों की चर्चा करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की. सर्वश्री सत्यप्रकाश राय, भागीरथ सारस्वत, श्रीमोहन तिवारी, जीवन सिंह, मनीष जैन, घनश्याम चौरसिया, गायत्री बजाज एवं अरुण सिंह प्रभृति ने भी आचार्य शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किये तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किये.

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए गए

नयी दिल्ली: बांग्लादेश में मानव तस्करी के मामले में शामिल 38 वर्षीय एक व्यक्ति समेत दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान रबीउल इस्लाम (38), उसकी पत्नी सीमा (27) और बेटे अब्राहम (5), पापिया खातून (36) और उसकी बेटियों सादिया सुल्ताना (21) और सुहासिनी (1) के अलावा आर्यन (7) तथा रिफत आरा मोयना (28) के रूप में हुई है. अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोग किशनगढ़ और कटवारिया सराय सहित दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में रह रहे थे और इन्होंने दलालों की मदद से त्रिपुरा, घोजा डोंगा और बेनापोल सीमाओं के माध्यम से 2007 और 2023 के बीच अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी आठ बंदियों को 16 अप्रैल को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया और निर्वासन केंद्र भेज दिया गया. पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर 15 अप्रैल को सत्य निकेतन बाजार क्षेत्र से इस्लाम को हिरासत में लिया. अधिकारी ने बताया कि उसने पुलिस को बताया कि वह 2012 में अवैध रूप से भारत में घुसा था और उसने शहर में बिना उचित दस्तावेजों के रह रहे अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में भी जानकारी साझा की. जांच के दौरान पता चला कि इस्लाम बांग्लादेश में मानव तस्करी के एक मामले में संलिप्त था.

Junction
WORKPLACE SOLUTIONS
Ready to Move in Offices,
Business Centre & Private Cabins
Bareshell Office Spaces - Furnished Office Spaces
Available on rent in Mani Casadona, New Town, Rajarhat
Unit sizes - 2,000 - 80,000 sqft
Managed Offices - available on rent at :
Sector V, New Town and AJC Bose Road
Tech enabled ready to move in office spaces available
Excellent facilities and breakout areas
Resilient IT Infrastructure
Email - marketing@thejunctiongroup.com
Contact - 9007933400, 9874414000

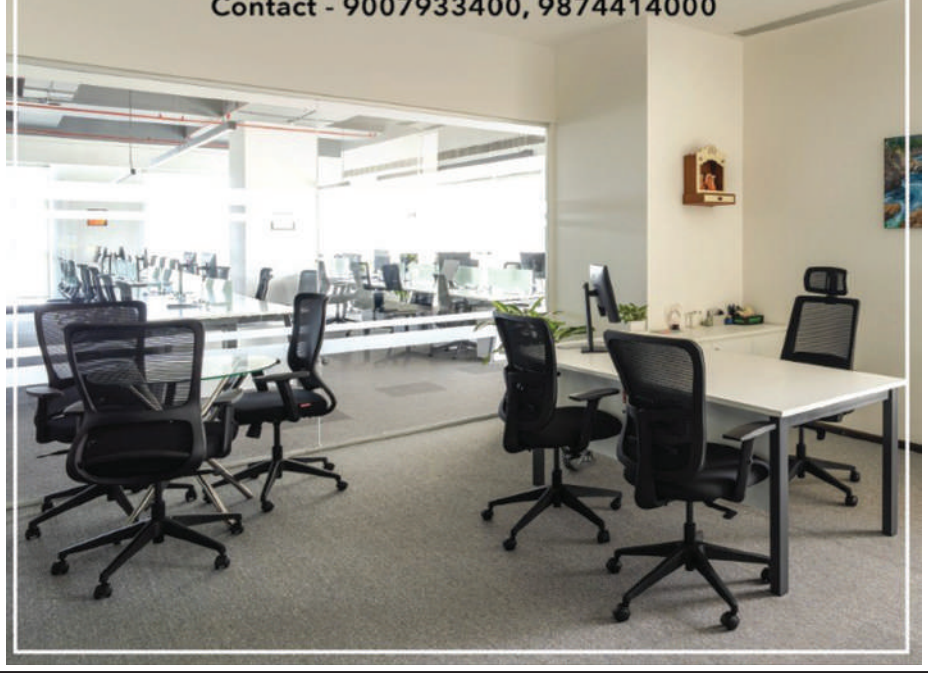

SHYAM METALICS
ORE TO METAL
SEL TIGER
550D TMT RE-BAR
REAL STEEL
REAL STRENGTH

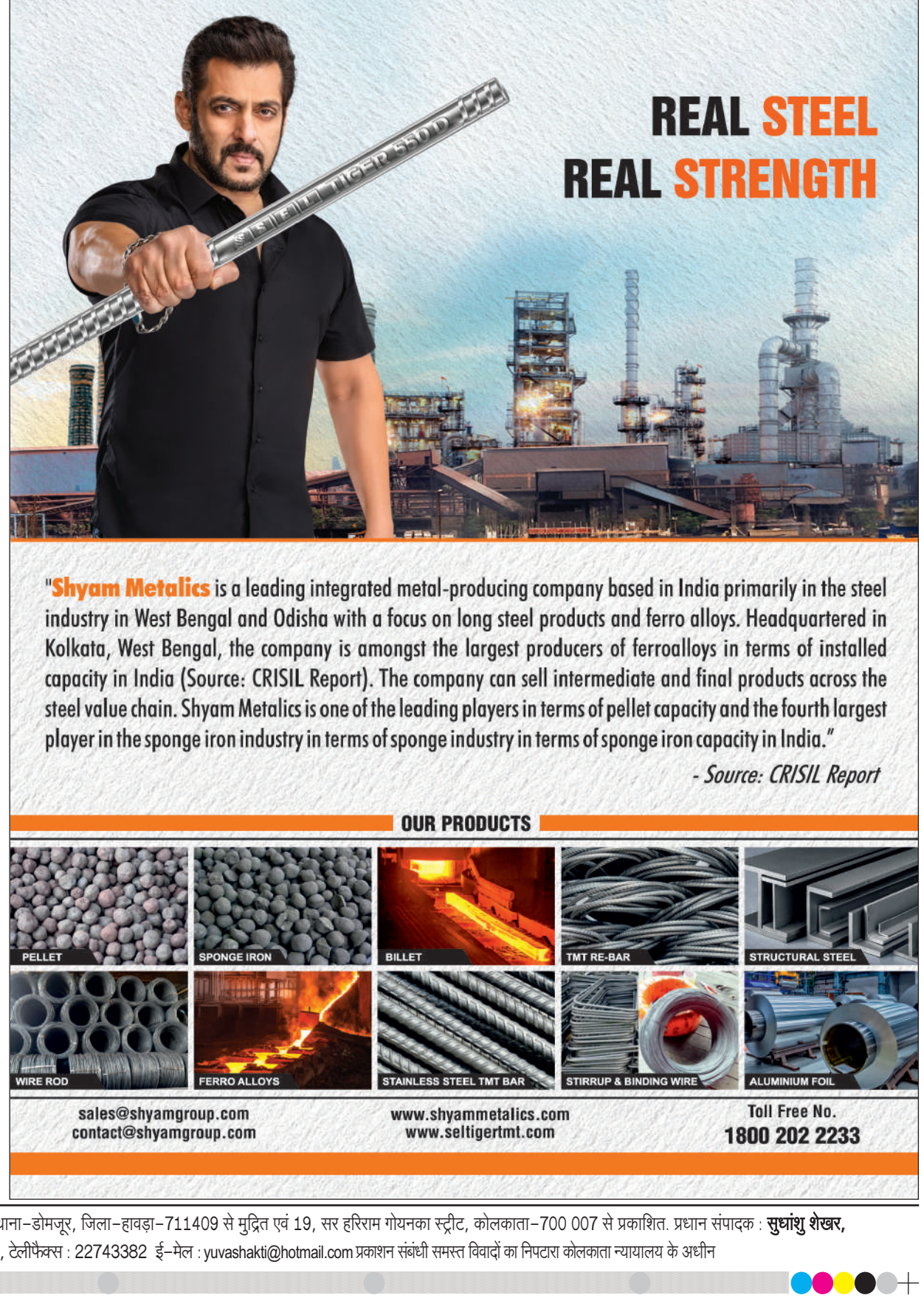

"Shyam Metalics is a leading integrated metal-producing company based in India primarily in the steel industry in West Bengal and Odisha with a focus on long steel products and ferro alloys. Headquartered in Kolkata, West Bengal, the company is amongst the largest producers of ferroalloys in terms of installed capacity in India (Source: CRISIL Report). The company can sell intermediate and final products across the steel value chain. Shyam Metalics is one of the leading players in terms of pellet capacity and the fourth largest player in the sponge iron industry in terms of sponge industry in terms of sponge iron capacity in India."
- Source: CRISIL Report
OUR PRODUCTS
PELLET
SPONGE IRON
BILLET
TMT RE-BAR
STRUCTURAL STEEL
WIRE ROD
FERRO ALLOYS
STAINLESS STEEL TMT BAR
STIRRUP & BINDING WIRE
ALUMINIUM FOIL
sales@shyamgroup.com
contact@shyamgroup.com
www.shyammetalics.com
www.seltigertmt.com
Toll Free No.
1800 202 2233

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन